CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-52
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार, 29 मई 2024

आज का विचार

दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते, और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!

सिंगल कॉलम

केजरीवाल की याचिका पर जल्द सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाले में जमानत पर बाहर चल रहे दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत अवधि बढ़वाने की याचिका पर जल्द सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि जब जस्टिस दत्ता की पीठ पिछले हफ्ते बैठी हुई थी, तब याचिका क्यों दायर नहीं की गई थी दिल्ली सीएम ने स्वास्थ्य आधार पर अपनी जमानत अवधि को सात दिन बढ़वाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी, जिससे कोर्ट ने इनकार कर दिया। केजरीवाल ने उनका वजन अचानक छह से सात किलोग्राम कम हो जाने के कारण कई चिकित्सकीय जांच कराने के लिए उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने केजरीवाल की अंतरिम याचिका को स्वयं सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया और मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा कि याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए पिछले सप्ताह तब क्यों इसका उल्लेख नहीं किया गया, जब मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ में शामिल न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता अवकाश पीठ में बैठे थे। मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने की थी। पीठ ने कहा, जब न्यायमूर्ति दत्ता पिछले सप्ताह अवकाश पीठ में बैठे थे, आपने तब इसका उल्लेख क्यों नहीं किया माननीय सीजेआई को निर्णय लेने दें क्योंकि यह औचित्य का मुद्दा उठाता है... हम इसे सीजेआई को भेजेंगे। इस पर सिंघवी ने कहा कि चिकित्सकीय परामर्श परसों मिला था और इसलिए पिछले सप्ताह उस अवकाश पीठ के समक्ष इसका उल्लेख नहीं किया जा सका जिसमें न्यायमूर्ति दत्ता शामिल थे। उन्होंने कहा,अगर इसे डिजिटल माध्यम से भी उस पीठ (न्यायमूर्ति खन्ना और न्यायमूर्ति दत्ता की) के समक्ष सूचीबद्ध किया जाता है तो भी मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

रेमल तूफान की वजह से मिजोरम में लैंडस्लाइड, दो बच्चों सहित 17 की मौत

आइजोल। पश्चिम बंगाल में रविवार को आए रेमल तूफान का असर अब नॉर्थ-ईस्ट में दिखने लगा है। मिजोरम में तूफान के कारण लगातार हो रही बारिश की वजह से मंगलवार सुबह 6 बजे आइजोल में एक पत्थर की खदान ढह गई। अब तक इसमें 17 लोगों की मौत हुई है। इनमें 4 साल का लड़का और 6 साल की लड़की शामिल है। दो लोगों का रेस्क्यू भी किया गया है। मिजोरम के डीजीपी अनिल शुक्ला ने बताया कि अब तक 17 शव निकाले गए हैं। इनमें में 8 स्थानीय लोगों के हैं, जबकि 4 दूसरे राज्यों के हैं। बाकी शवों की पहचान की जा रही है। मलबे में 6-7 लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन तेज बारिश के कारण इसमें दिक्कतें आ रही हैं। इसके अलावा नॉर्थ-ईस्ट के एक अन्य राज्य असम में भी आज तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। मोरीगांव जिले में ऑटो रिक्शा पर पेड़ गिरने से एक कॉलेज स्टूडेंट की मौत हो गई। चार लोग घायल हो गए। जबकि, लखीमपुर में लैंडस्लाइड के चलते एक व्यक्ति की जान चली गई। सोनितपुर जिले में एक स्कूल बस पर पेड़ गिर गया, इसमें 12 बच्चे घायल हो गए।

राजस्थान में गर्मी से एक ही दिन में 13 लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है। अब ढाई दर्जन से ज्यादा लोगों की हीट वेव की चपेट में आने से मौत हो चुकी है। सोमवार को बीएसएफ जवान समेत 13 लोग मरे हैं। प्रदेश के 11 शहरों का अधिकतम तापमान 48 डिग्री पार रिकॉर्ड हुआ है। राजस्थान के फलोदी में अधिकतम तापमान 49.4 और बाडमेर में 49.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर आगामी 24 से 48 घंटे तक जारी रह सकता है। भजनलाल शर्मा सरकार में आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने प्रदेश में अधिकतम तापमान 50 पहुंचने पर कहा कि बढ़ते तापमान को देखते हुए हमने संभागीय आयुक्त व जिला कलेक्टरों के जरिए जनता में एडवाइजरी जारी की कि इन दिनों अपना विशेष ख्याल रखे। बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। तरल पदार्थ का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें। किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि गर्मी की वजह से होने वाली मौतों पर आश्रितों को मुआवजा दिलवाने के लिए सीएम से चर्चा की जाएगी। मंत्री मीणा के अनुसार राजस्थान में गर्मी से छह लोगों की मौत की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुई है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट में अब तक गर्मी से होने वाली मौतों का आंकड़ा ढाई दर्जन पार पहुंच गया है। हीट स्ट्रोक की वजह जान गंवाने वालों में अलवर में मयूर विहार कॉलोनी निवासी अरुण मीणा, जैसलमेर पर तैनात बीएसएफ जवान जलपाईगुड़ी निवासी सारू की मौत हो गई।

सीबीआई जांच में फिट 169 नर्सिंग कॉलेजों की होगी जांच

हाईकोर्ट का निर्देश: मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में चलेगी जांच, वीडियोग्राफी भी होगी

जबलपुर/भोपाल/इंदौर। सीबीआई जांच में फिट पाए गए नर्सिंग कॉलेजों की फिर से जांच कराई जाएगी। यही नहीं इस बार होने वाली जांच के दौरान न्यायायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में वीडियोग्राफी कराई जाएगी। ज्ञात हो कि 169 नर्सिंग कॉलेज को सीबीआई ने जांच में सूटेबल करार दिया है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को सीबीआई जांच में उपयुक्त पाए गए नर्सिंग कॉलेजों की दोबारा जांच के निर्देश दिए हैं। इनकी संख्या 169 हैं। हाईकोर्ट ने लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अधिवक्ता विशाल बघेल की याचिका पर यह आदेश दिया है। अदालत ने पूरी जांच प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने भी कहा है। याचिकाकर्ता ने आवेदन पेश कर ऐसे नर्सिंग कॉलेजों की फिर से जांच कराने की मांग का आवेदन हाईकोर्ट में पेश किया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया। दोबारा होने वाली जांच में संबंधित जिले के न्यायिक मजिस्ट्रेट भी सीबीआई के साथ रहेंगे।

जांच में इन लोगों का उपस्थिति होना आवश्यक-इन सभी कॉलेजों की जांच संचालक और प्रिंसिपल की उपस्थिति में कराई जाएगी। इससे पूर्व हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई की जांच टीम ने प्रदेश के 600 में से 308 नर्सिंग कॉलेजों की जांच रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट के अनुसार, 308 नर्सिंग कॉलेज में से 169 फिट और 66 अनफिट हैं। इनमें भोपाल के जीएमसी समेत 10 सरकारी हैं। वहीं, 73 कालेज मानक पूरे नहीं कर रहे हैं।

अगली सुनवाई कल होगी- याचिकाकर्ता ने ऐसे कॉलेजों की फिर से जांच कराने की मांग का आवेदन हाईकोर्ट में पेश किया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय द्विवेदी और जस्टिस अचल कुमार पालीवाल की स्पेशल बेंच ने इसे स्वीकार कर लिया। अदालत ने कहा कि दोबारा होने वाली जांच में संबंधित जिले के न्यायिक मजिस्ट्रेट भी सीबीआई के साथ मौजूद रहेंगे। इन सभी कॉलेजों के संचालक और प्रिंसिपल की उपस्थिति में जांच कराई जाएगी। मामले में अगली सुनवाई 30 मई को होगी।

पुराने नियमों से पूरी की जाएगी मान्यता प्रक्रिया- याचिकाकर्ता एसोसिएशन के वकील विशाल बघेल ने बताया कि नर्सिंग काउंसिल ने सुनवाई के दौरान आवेदन पेश कर हाईकोर्ट से सत्र 2024-25 की मान्यता प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति मांगी। इस पर आपत्ति लेते हुए हमने कहा कि सरकार ने जो नए नियम बनाए हैं, वे आईएनसी के मानकों के हिसाब से नहीं है। इनके अनुसार मान्यता प्रक्रिया नहीं की जानी चाहिए। इस पर हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुराने नियमों से ही 2024-25 सत्र के लिए मान्यता प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मध्यप्रदेश सरकार भी एक्शन में, 66 नर्सिंग कॉलेज बंद होंगे- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्सिंग कॉलेजों की जांच में गड़बड़ी सामने के बाद अनफिट कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। प्रदेश के 31 जिलों के 66 अनफिट नर्सिंग कॉलेजों को बंद किया जा रहा है। इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा विभाग के कमिश्नर ने अनफिट कॉलेजों की सूची संबंधित जिलों के कलेक्टर्स को दी है। इस मामले में मुख्यमंत्री ने हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। इस आदेश से नर्सिंग कॉलेजों के पुराने विद्यार्थी प्रभावित नहीं हो सकेंगे। उनके लिए परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। अनफिट कॉलेजों को लेकर इंदौर समेत कई जिलों में पहले कार्यवाही हो चुकी है। नर्सिंग कॉलेजों की जांच में शामिल टीम के साथ अब कई अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। सीबीआई की विजिलेंस टीम के जांच में गड़बड़ी पकड़ने के बाद सरकार भी एक्शन में आ गई। इसमें कई जिलों के प्रशासन अधिकारियों से लेकर पटवारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नियमों के अनुसार नहीं चलने वाले नर्सिंग कॉलेजों को सील करने के आदेश दिए है। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री फिर समीक्षा बैठक करेंगे।

इसलिए हो रही कॉलेजों पर कार्रवाई - नर्सिंग कॉलेज के संचालन के लिए बिल्डिंग से लेकर फैकल्टी के लिए मापदंड तय हैं। इसके बावजूद कई जगह कॉलेज किराए की बिल्डिंग में चल रहे हैं, जो नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। कई जगह दो से तीन कमरों में ही नर्सिंग कॉलेजों का संचालन किया जा रहा है। अयोग्य घोषित नर्सिंग कॉलेजों में बिल्डिंग से लेकर लाइब्रेरी, क्लास रूम और सेमिनार के लिए नियमानुसार जगह ही नहीं थी।

बैतूल में सबसे ज्यादा आठ कॉलेज - हाईकोर्ट के आदेश के बाद 66 कॉलेजों की मान्यता निरस्त की गई है। इसमें बैतूल के आठ, भोपाल के छह, इंदौर के पांच, सीहोर, धार, छतरपुर के चार-चार कॉलेज शामिल है। नर्मदापुरम के तीन कॉलेज शामिल है। वहीं, सिवनी, शहडोल,रीवा,मण्डला,जबलपुर,छिंदवाड़ा भिंड के दो-दो कॉलेज। अलीराजपुर, अनुपपुर, बड़ानी, बुरहानपुर, देवास, ग्वालियर, खंडवा, खरगौन, मुरैना, पन्ना, सागर, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा, श्योपुर के एक-एक कॉलेज शामिल है।

सीबीआई निरीक्षक सुशील मजोका बर्खास्त- प्रदेश के नर्सिंग महाविद्यालयों की सीबीएसआई जांच के मामले में घोटाला करने वाले सीबीआई निरीक्षक आरोपी सुशील मजोका की पुलिस विभाग से सेवाएं समाप्त कर दी है। आईजी सीआईडी अनुराग शर्मा ने मंगलवार को मजोका को बर्खास्त करने का आदेश जारी किया। 22 मई को सुशील मजोका के घर से 2 लाख रुपए की रिश्वत की रकम पुलिस ने बरामद की थी, जिसके बाद उन्हें निलंबित कर पुलिस ने अभिरक्षा में ले लिया गया। इस मामले के बाद सीबीआई दिल्ली के पत्र अनुसार उनकी सेवाएं सीबीआई से समाप्त कर मूल इकाई (मध्यप्रदेश पुलिस)को वापस कर दी थी। आरोपी सुशील के विरूद्ध पुलिस की छवि धूमिल करने, नैतिक मापदण्डों को क्षति पहुंचाने आदि अपराधिक गतिविधियां करने के एवज में धारा-311,120 सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसकी कार्रवाई अभी जारी है

30 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम लाने वाले अतिथि शिक्षक होंगे बाहर

भोपाल। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने एक बड़ा आदेश जारी किया है। प्रदेश के शिक्षा स्तर में सुधार लाने के लिए अब 30 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम लाने वाले अतिथि शिक्षकों नियुक्ति नहीं दी जाएगी। सरकार के इस आदेश पर प्रदेश भर के अतिथि शिक्षकों ने नाराजगी दर्ज कराते हुए कहा है कि छात्र-छात्राओं का परिणाम खराब होने के जिम्मेदार अतिथि शिक्षक नहीं, बल्कि सरकार की गलत नीतियां और स्कूल के प्राचार्य हैं। गौरतलब है कि इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी किया है। आदेश के प्रतिपालन में अलग-अलग जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी आदेश जारी कर रहे हैं। सरकारी स्कूल के परीक्षा परिणामों को लेकर संबंधित क्लास के साथ संबंधित विषय के अथिति शिक्षकों की रिपोर्ट तैयार करने की बात कही गई है। आदेश में सख्ती से लागू करने को कहा गया है। वहीं आदेश पालन नहीं होने पर संकुल प्राचार्य पर कार्रवाई होगी। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने अतिथि शिक्षकों को खराब परीक्षा परिणाम के लिए दोषी ठहराने का विरोध करते हुए कहा है कि प्राचार्य खुद की और अन्य शिक्षकों की नाकामयाबी का ठीकरा अतिथि शिक्षकों पर फोड़ रहे हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री से निवेदन है कि सभी के परीक्षा परिणाम की समीक्षा करवाएं। 85 प्रतिशत अतिथि शिक्षकों का परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा है, उनको पुरस्कृत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीच सत्र में सीधी भर्ती प्रमोशन और ट्रांसफर करने से भी ऐसी स्थिति बनी है, जिन अतिथि शिक्षकों का परीक्षा परिणाम 30 प्रतिशत से कम है, उनके विगत सत्रों का परीक्षा परिणाम भी देखा जाए और उनके सेवाकाल को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेना चाहिए। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, 10 दिन के अंदर अतिथि शिक्षकों की रिपोर्ट तैयार होगी। आदेश के मुताबिक, जिस अतिथि शिक्षक के विषय या कक्षा का परीक्षा परिणाम 30 प्रतिशत से कम रहा हो, उन्हें किसी भी स्कूल में अतिथि शिक्षक के लिए आमंत्रित न किया जाए। स्कूलों में 30 फीसदी परीक्षा परिणाम देने वाले अतिथि शिक्षकों की दोबारा नियुक्ति नहीं होगी। इसको लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने गाइड लाइन जारी की है।

मप्र में 9 कंटेनरों में 15 करोड़ से ज्यादा की अवैध शराब जब्त

झाबुआ। मध्यप्रदेश में सोमवार देर रात आबकारी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की बड़ी खेप को जब्त किया है। 9 कंटेनरों में करोड़ों रुपये की शराब पकड़ी गई है। पुलिस के अनुसार शराब 15 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बताई जा रही है। शराब उच्च गुणवत्ता वाली है और इसे विशेष पैकेजिंग में छिपा कर ले जाया जा रहा था। मामले में आबकारी विभाग और पुलिस ने ट्रक चालक और सहायकों को पकड़ लिया है। बताया जा रहा है कि शराब कारोबारियों के हौसले इतने बुलंद है कि यहां हर तीसरे दिन वाहनों से अवैध शराब की खेप गुजरात भेजी जा रही है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितनी तादाद में प्रदेश शराब तस्करी का गढ़ बन गया है। बता दें कि गुजरात में शराबबंदी है। बताया जा रहा है कि इस शराब को ग्वालियर से गुजरात और फिर दमन ले जाया जा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर बैतूल-अहमदाबाद हाईवे पर गुजरात की सीमा के पास झाबुआ जिले के पिटोल क्षेत्र में पुलिस और आबकारी विभाग ने करोड़ों रुपये की अवैध शराब पकड़ी है। इस कार्रवाई में करीब 15 करोड़ रुपये से अधिक की शराब, 8 ट्रक और एक कंटेनर जब्त किया गया है। यह शराब ग्वालियर से भरकर दमन जा रही थी, लेकिन परमिट की अवधि समाप्त होने के कारण इसे पकड़ा गया। आबकारी विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्वालियर से दमन जा रही शराब के कई ट्रकों का परमिट समाप्त हो चुका है। इस सूचना पर आबकारी प्रभारी बसंती भूरिया ने टीम बनाकर पिटोल चेक पोस्ट से पहले विशेष नाकाबंदी की। इस दौरान एक कंटेनर ओर 8 ट्रकों को रोककर तलाशी ली गई।

दमन के नाम पर बने थे परमिट आबकारी ओर पुलिस विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर जब्त की गई अवैध शराब को लेकर चौंकाने वाली जानकारी मिली है कि शराब के परमिट दमन के नाम पर बनाए गए थे। दमन में शराब बंदी नहीं है और रास्ता गुजरात से होकर जाता है। इसी का फायदा शराब कारोबारी उठाते हैं और एक वाहन के परमिट पर कई गाड़ियों में अवैध रूप से शराब भर कर ले जाते हैं। यह भी बताया जा रहा है कि यह पहला मौका नहीं है,जब एक साथ करोड़ों की शराब जब्त हुई। पूर्व में भी ऐसे कई वाहनों को पुलिस पकड़ चुकी है। पिटोल चौकी प्रभारी पलवी भाबर ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक जो ग्वालियर से दमन जा रहा है, उसका परमिट का समय खत्म हो गया है। जिसके आधार पर चौकी प्रभारी और उनकी टीम ने ट्रक को रोककर परमिट देखा तो परमिट खत्म हो चुका था। जिसके आधार पर ट्रक को जब्त कर चौकी लाया गया। ट्रक में मंहगी शराब मिली। पुलिस और आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मिली जानकारी में बताया गया है कि यह अभियान अवैध शराब के कारोबार को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्रवाई से न केवल अवैध कारोबार पर अंकुश लगेगा, बल्कि राजस्व की भी बचत होगी।

चुनाव आयोग ने जारी किए फाइनल आंकड़े

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में 63.37% हुआ मतदान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में हुए मतदान के आखिरी आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, छठे चरण में कुल मिलाकर 63.37ब मतदान दर्ज किया गया। इसमें 61.95 फीसदी पुरुष, 64.95 फीसदी महिला और 18.67 फीसदी थर्ड जेंडर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। भारत के चुनाव आयोग ने मंगलवार को बताया कि मौजूदा लोकसभा चुनाव के छठे चरण में 63.37 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें 11.13 करोड़ पात्र मतदाताओं में से 7.05 करोड़ ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लोकसभा चुनाव के पहले छह चरणों में 87.54 करोड़ मतदाताओं में से 57.77 करोड़ मतदाता वोट डालने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंचे हैं। भारत में दुनिया का

सबसे बड़ा मतदाता वर्ग 96.88 करोड़ है। चुनाव आयोग (ईसी) के अनुसार, 20 मई को हुए पांचवें चरण के मतदान में 62.2 प्रतिशत वोटिंग हुई। चौथे चरण में मतदान 69.16 प्रतिशत रहा, जो 2019 के आम चुनाव में इसी चरण की तुलना में 3.65 प्रतिशत अधिक है। तीसरे चरण में मतदान का आंकड़ा 65.68 फीसदी रहा। 2019 चुनाव के तीसरे चरण में 68.4 फीसदी मतदान हुआ था। 2024 के चुनाव के दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 के दूसरे चरण में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। मौजूदा आम चुनाव के पहले चरण में 66.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। 2019 के चुनाव में पहले चरण में 69.43 फीसदी मतदान हुआ था। दरअसल, लोकसभा चुनाव के छठे दौर में 25 मई को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर वोटिंग हुई। इसमें जम्मू-कश्मीर का अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र भी था, जहां मतदान तीसरे चरण की बजाय छठे चरण के लिए स्थगित कर दिया गया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी, निरहुआ, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और मनोहर लाल समेत कई केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला इसी चरण में ईवीएम में बंद हुआ। छठे चरण में जिन सीटों पर मतदान हुआ था, उनमें उत्तर प्रदेश की 14, हरियाणा की सभी 10, बिहार और पश्चिम बंगाल की आठ-आठ, दिल्ली की सभी सात, ओडिशा की छह और झारखंड की चार सीटें शामिल थीं। वहीं, सबसे कम जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर भी लोग वोट डाले गए थे।

2019 में इन 58 में से 40 सीटें भाजपा ने जीती थीं। वहीं दूसरे स्थान पर बसपा के खाते में चार सीटें गई थीं जबकि कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था। पिछले चुनाव में इन 58 सीटों पर कुल 64.22% फीसदी वोट पड़े थे। सबसे ज्यादा 84.59 फीसदी मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ था। वहीं, सबसे कम 8.98 फीसदी मतदान जम्मू-कश्मीर में दर्ज किया गया था।

सिंगल कॉलम

पानी में औंधे मुंह तैरता मिलना शव, पुलिस को हत्या की आशंका

इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा में मंगलवार सुबह एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। यहां पानी में औंधे मुंह पड़ा था। टीआई पकंज द्विवेदी को सूचना मिली थी कि एनटीसी ग्राउंड में एक व्यक्ति का औंधे मुंह शव पड़ा है। मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों ने बताया कि जहां शव मिला वहां, इतना पानी नहीं कि डूबने से किसी की मौत हो सके। पुलिस के मुताबिक शरीर पर चोट के निशान नहीं है, युवक की हादसे या बीमारी से मौत हुई होगी। शव को पोस्टमार्टम के लिये एमवाय भेजा गया है। अभी मृतक की शिनाख्त नहीं हुई है। उधर, चंदन नगर इलाके में रहने वाली नजमा (23) पुत्री दीपक खान को उसके परिवार के लोग सोमवार रात एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। भाई फहीम ने बताया कि उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी। सोमवार को उसकी अचानक तबीयत बिगड़ी। जिसमें उसे जिला अस्पताल लेकर गए। यहां उसे इंजेक्शन लगाया और एमवाय अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने यहां उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि चंदन नगर पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

63 साल पुरानी परंपरा के मुताबिक 31 को हाईकोर्ट में होगी आइस्क्रीम पार्टी

इंदौर। हाई कोर्ट की इंदौर बेंच के सभी जज और वकील आइस्क्रीम पार्टी का लुत्फ लेंगे। 63 साल पुरानी परंपरा के तहत आइस्क्रीम पार्टी 31 मई को होगी। गर्मी की छुट्टियां शुरू होने के पहले इस आयोजन की परंपरा है। 1960 में अस्तित्व में आए हाई कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा साल 1961 से इस अनूठी परंपरा की शुरूआत हुई। बार के तत्कालीन ज्वॉइंट सेक्रेटरी पीके सक्सेना ने गर्मी की छुट्टियों से पहले आइस्क्रीम पार्टी आयोजित किए जाने का प्रस्ताव रखा था, जो निर्विरोध पारित हो गया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रितेश इनानी ने बताया कि 31 मई को दोपहर डेढ़ बजे आइस्क्रीम पार्टी आयोजित होगी।

लाउड स्पीकर हटाने पर शहर काजी ने ली आपत्ति, कलेक्टर से मिले

इंदौर। इंदौर में धर्मस्थलों से लाउड स्पीकर हटाने जाने को लेकर शहर काजी इशरत अली ने आपत्ति ली है। इसे लेकर उन्होंने सोमवार को समाजजन के साथ कलेक्टर आशीष सिंह से मुलाकात की और अपनी बात रखी। शहर काजी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश में धर्मस्थलों से लाउड स्पीकर हटाने का ऐसा कोई जिक्र नहीं है। इसी तरह धार्मिक स्थल, औद्योगिक क्षेत्र, हॉस्पिटल एरिया आदि को लेकर अलग-अलग डेसिबल के मापदंड हैं। इन क्षेत्रों में उन्हें निर्धारित डेसिबल के अनुसार बजाया जा सकता है लेकिन हटाने का आदेश नहीं है। प्रशासन द्वारा जो कार्यवाही की जा रही है वह विधि सम्मत नहीं है। कलेक्टर ने बताया कि यह राज्य शासन का आदेश है। वे उनकी बात राज्य शासन तक पहुंचाएंगे।

शास्त्री ब्रिज के कई हिस्से जर्जर, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

इंदौर। इंदौर का सबसे पुराने शास्त्री ब्रिज हर दिन लाखों वाहनों का बोझ उठा रहा है, लेकिन अब उसकी उम्र पूरी हो चुकी है। ब्रिज के कई हिस्से जर्जर है। नया ब्रिज बनाने की सुगबुगाहट भी ए दिन उठती रहती है, लेकिन इस चक्कर में नगर निगम पुराने ब्रिज की मरम्मत भी नहीं कर रहा है। इस लापरवाही के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस ब्रिज का 70 साल पहले हुआ था। शहर में रहने वाले कई लोगों की पीढ़ियां इस ब्रिज का उपयोग कर रही है। शहर के ट्रैफिक के बढ़ते दबाव के कारण कुछ वर्षों पहले पटेल ब्रिज बनाया गया था, लेकिन फिर भी शास्त्री ब्रिज से ट्रैफिक लोड़ कम नहीं हुआ। शास्त्री ब्रिज अब मरम्मत मांग रहा है। ब्रिज के फुटपाथ कई हिस्सों में धंस रहे है। बिजली का एक खंबा एक माह से आधा टूटकर गांधी हॉल उद्यान में पड़ा है। रैलिंग वाले हिस्से में कई जगह दरारें आ चुके है। पैदल यात्रियों के लिए चढ़ने वाली एक सीढ़ी टूट गई है और उसके सरिए खतरनाक तरीके से बाहर निकाले हुए है। नगर निगम की सलाहकार समिति के अतुल शेठ का कहना है कि पुराने शास्त्री ब्रिज को तोड़कर नया शास्त्री ब्रिज बनाने की बात भी उठ रही है,लेकिन सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर यह फैसला लेना होगा, क्योकि पहले ब्रिज का वैकल्पिक मार्ग जरुरी है। पहले चार लेन नया ब्रिज बनाया जाए, फिर पुराने ब्रिज को तोड़कर चारलेन नया बनाना चाहिए।

हंगामा: इंदौर जिला कोर्ट नंबर 40 में फैसला होते ही हुई घटना से सभी रह गए हक्का-बक्का

जज की टेबल पर फेंकी जूतों की माला आरोपी बोला- इंसाफ नहीं मिला

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर जिला कोर्ट में एक बुजुर्ग ने जज की टेबल पर जूते की माला फेंक दी। मंगलवार को हुई इस घटना के बाद वकीलों ने बुजुर्ग की पिटाई कर दी और इस दौरान उसके कपड़े भी फट गए। बताया जा रहा है कि वह बुजुर्ग अपने पक्ष में फैसला नहीं होने से नाराज था। पिटाई के बाद वकीलों ने जूतों की माला फेंकने वाले बुजुर्ग को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला दर्ज हो सकता है। घटनाक्रम से सब हक्का-बक्का रह गए। वकीलों ने तत्काल जज की टेबल पर से जूते की माला को हटवाया।

घटना मंगलवार दोपहर इंदौर की कोर्ट नंबर 40 में हुई है। रास्ते के विवाद के 12 साल पुराने एक मामले को कोर्ट ने खारिज कर दिया। इससे फरियादी नाराज हो गया। वह अपने साथ जूते की माला छुपाकर लाया था। फैसला सुनते ही उसने वह माला जज की टेबल की ओर उछाल दी और विरोध जताया। जूते की माला फेंकते ही वकीलों ने उसे पकड़ा और पिटाई शुरू कर दी। बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया।

कपड़ों में छिपाकर लाया था जूतों की माला

जूतों की माला फेंकने वाले मोहम्मद सलीम ने बताया कि 2012 में मस्जिद कमेटी ने उसकी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया था। सलीम कोहिनूर कॉलोनी में फातिमा मस्जिद के पास रहता है। नगर निगम में शिकायत की लेकिन कुछ नहीं हुआ। इस पर उसने कोर्ट में केस दायर कर मस्जिद के अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग की। कोर्ट में अपने पक्ष में फैसला नहीं आने की वजह से वह नाराज था। वह कपड़ों में छिपाकर जूतों की माला लाया था।

फैसले को लेकर पहले से ही अंदेशा था

सलीम को पहले से अंदेशा था कि फैसला मस्जिद कमेटी के पक्ष में ही जाएगा। इसलिए वह पहले से ही जूतों की माला बनाकर कपड़ों में छुपाकर लाया था। एमजी रोड थाना पुलिस ने बताया कि मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने केस खारिज कर दिया। फैसला जांच में हुई नपती के आधार पर लिया गया।

आरोपी का बेटा बोला- वकीलों ने पिता को पिटा

आरोपी मो. सलीम के बेटे रईस ने कहा कि जमीन पर मस्जिद वालों ने अतिक्रमण किया। पापा ने केस लगाया कि ये इस्लाम के खिलाफ है। कोर्ट ने केस खारिज कर दिया। नाराज होकर पिता ने उन्हें जूतों का हार पहना दिया। घटना के वक्त वहां मौजूद वकीलों ने पिता को मारा और कपड़े भी फाड़ दिया। जानकारी लगने पर पुलिस पहुंची और पिता को बचाया।

यह बताया पुलिस ने

एसीपी विनोद दीक्षित ने बताया कि आरोपी कपड़ों में जूते की माला छिपाकर लाया था।

एसीपी विनोद दीक्षित ने बताया कि आजाद नगर निवासी सलीम पिता खालिद और उनके पुत्र रईस का सिविल कोर्ट में एक प्रकरण चल रहा था।आरोपी का पक्ष था कि हमारी जमीन पर मस्जिद ने अतिक्रमण कर रखा है। आरोपी के द्वारा पहले नगर निगम में अपील की गई थी, लेकिन मामला नहीं निपटा तो सिविल सूट लगाया था, जो कोर्ट नंबर 40 में विचाराधीन था। कोर्ट में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं किया गया। जमीन मस्जिद की ही थी। गर्मी के मौसम के चलते लोग गमछा लपेट कर आते हैं। वहां भी यही समझा गया कि आरोपी गर्मी से बचाव के लिए कपड़ा साथ लेकर आया हैं। जैसे ही कोर्ट ने निर्णय सुनाया। आरोपी ने कपड़े से जूतों की माला निकाल जज की तरफ फेंक दी। आरोपी के खिलाफ केस किया जा रहा है।

महिलाओं में हुआ झगड़ा, शादी का मामला मारपीट तक पहुंचा

मंगलवार को जिला कोर्ट में दो महिलाओं के बीच मारपीट की भी घटना हुई। यहां एक युवती और महिला में विवाद हो गया। यहां वकीलों को बीच बचाव करने के लिए उतरना पड़ा। कोर्ट सुरक्षा में तैनात पुलिसवालों को वकील मौके पर बुलाते रहे लेकिन झगड़ा खत्म होने तक कोई नहीं पहुंचा था। मामला एक नाबालिग की शादी कराने का था। इसे लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ। एक युवती और महिला आपस में मारपीट करने लगीं। कोर्ट परिसर में काफी देर तक हंगामा चलता रहा। मौके पर मौजूद वकीलों ने उन्हें अलग किया।

देवी अहिल्या विवि में पेपर लीक कांड

लीक होने के बाद एमबीए के दोनों पेपर निरस्त, स्टूडेंट्स ने किया हंगामा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में एमबीए फर्स्ट ईयर के दो पेपर निरस्त कर दिए गए हैं। यह दोनों ही पेपर लीक होने की बात सामने आई थी। यह जानकारी आने के बाद छात्र भड़क गए और मंगलवार को यूनिवर्सिटी में विरोध प्रदर्शन किया गया।

इंदौर में डीएवीवी के एमबीए फर्स्ट ईयर के दो पेपर क्वांटिटेटिव टेक्निक व अकाउंट्स के पेपर को निरस्त किया गया है। यह दोनों ही पेपर लीक होने की जानकारी मिली थी। प्रारंभिक जांच के बाद दोनों पेपर निरस्त करने का फैसला लिया गया। इसे लेकर छात्र दो दिन से हंगामा कर रहे थे और मंगलवार शाम को पेपर निरस्त कर दिए गए। रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई गई है जो इस मामले में एक सप्ताह में रिपोर्ट पेश करेगी। छात्र दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सुबह से ही छात्र बैठे धरने पर

इससे पहले मंगलवार को सुबह छात्र यूनिवर्सिटी में धरने पर बैठ गए। वे कुलपति प्रो. रेणु जैन से मिलने के लिए पहुंचे थे लेकिन उन्हें कुलपति से मिलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने विश्वविद्यालय के गेट पर ताला लगाकर धरना शुरू कर दिया। धरने पर बैठे छात्रों ने कुलपति और रजिस्ट्रार के इस्तीफे की मांग की। मुदार्बाद के नारे भी लगाए गए। बाद में कुलपति छात्रों से मुलाकात करने पहुंची। छात्रों ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन लापरवाही बरत रहा है और बार-बार पेपर लीक होने की घटनाओं को रोकने में नाकाम रहा है। इससे छात्रों की मेहनत और भविष्य पर बुरा असर पड़ रहा है। यह तीसरी बार है जब विश्वविद्यालय में पेपर

लीक हुआ है, जिससे छात्रों में भारी रोष व्याप्त है।

जांच के लिए कमेटी बनाई

कुलपति ने इस मामले में विश्वविद्यालय लोकपाल नरेंद्र सतसंगी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। जिसमें अतिरिक्त संचालक सुधा सिलावट, प्रोफेसर लक्ष्मीकांत त्रिपाठी और प्रो. राजीव दीक्षित शामिल है। यह कमेटी पेपर आउट मामले की जांच कर विश्वविद्यालय को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। पेपर आउट होने का मामला पुलिस को भी सौंपा जा सकता है।

एबीवीपी ने पेश किया सबूत

इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की एमबीए प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के पेपर लगातार आउट हो रहे हैं। अभाविप ने इसे लेकर प्रदर्शन किया और पेपर आउट होने के संबंध में सबूत पेश किया। मामले में यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा एमबीए प्रथम सेमेस्टर के दो पेपर अकाउंटिंग फॉर मैनेजर्स और क्वांटिटेटिव टेकनीक का पेपर दोबारा कराने का फैसला लिया है। इस संबंध में आदेश मंगलवार को जारी कर दिए।अभाविप इंदौर महानगर मंत्री सार्थक जैन ने बताया की देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में एमबीए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा चल रही है, लेकिन लगातार परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र सोशल मीडिया पर आ रहे है।। मंगलवार को अकाउंटिंग फॉर मैनेजर्स का पेपर था लेकिन ये पेपर सोमवार को ही आउट हो गया। इससे पहले 25 मई को हुआ क्वांटिटेटिव टेकनीक का पेपर भी आउट हो चुका है। दोनों ही पेपर के मामले में यूनिवर्सिटी प्रशासन को शिकायत की गई। आंदोलन किया गया। इससे साबित होता है कि यूनिवर्सिटी के कुलपति और रजिस्ट्रार लापरवाह हैं। हमारी शिकायत के बाद कुलपति ने 25 और 28 मई को हुए दोनों पेपर की परीक्षा फिर से कराने के आदेश जारी किए है और तत्काल जांच कमेटी गठित कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

9.5 किमी में दोहरीकरण का काम पूरा

महू-राऊ स्टेशन के बीच 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी ट्रेन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर के डॉ.आंबेडकर नगर महू स्टेशन से लेकर राऊ के बीच 9.5 किमी में दोहरीकरण का कार्य रेलवे ने पूरा कर लिया है। मंगलवार और बुधवार को दोहरीकरण के तहत बने नए रेलवे ट्रैक का सीआरएस इंस्पेक्शन हो रहा है। इंस्पेक्शन में ट्रॉली से पूरे ट्रैक का निरीक्षण होगा। उसके बाद 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से निरीक्षण यान चलाकर स्पीड ट्रायल भी हुआ। इधर स्पीड ट्रायल को लेकर रेलवे खासी सतर्कता बरत रहा है। रेलवे ट्रैक के आसपास की बस्तियों और रहवासी इलाके में डोंडी भी पिटवाई जा रही है। वहीं जितने रेलवे क्रॉसिंग हैं, वहां पर भी सुरक्षा के अतिरिक्त बंदोबस्त किए गए हैं।मंगलवार को सुबह 9 से रात 9 बजे के बीच दोहरीकरण नई बड़ी लाइन का निरीक्षण रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा किया गया। इसी के चलते 130 किमी प्रति घंटा की गति से निरीक्षण यान चलाकर ट्रैक की क्षमता की जांच भी की गई। रेलवे द्वारा महू-राऊ दोहरीकरण के 9.5 किमी के नवीन ट्रैक का काम पिछले सालभर से किया जा रहा था। वहीं अंतिम दिनों में रेलवे द्वारा 15 दिन के लिए महू स्टेशन पर मेगा ब्लॉक लेकर तेजी से काम किया गया। इस ब्लॉक के दौरान महू स्टेशन पर यात्री ट्रेनें नहीं चली। इस 9.5 किमी में रेलवे ने किशनगंज में सबसे बड़ा ब्रिज बनाकर तैयार किया है।

राजवाड़ा पर नो एंट्री, दो दिन में तीन गुना घटी उल्लंघन करने वालों की संख्या

इंदौर- ई-रिक्शा और आटो के लिए राजवाड़ा क्षेत्र में नो एंट्री का असर अब दिखने लगा है। चालक नो एंट्री के ट्रायल से जागरूक हो रहे हैं। मंगलवार को केवल 57 ई-रिक्शा और आटो वालों ने नियम तोड़ा, जबकि सोमवार को यह संख्या 147 थी। उल्लंघन करने वालों में दो दिन में करीब तीन गुना की गिरावट आई है। सड़क सुरक्षा बैठक में राजवाड़ा क्षेत्र में ई-रिक्शा और आटो की नो एंट्री का आदेश जारी हुआ था। इसके लिए सोमवार से ट्रायल चल रहा है। एसीपी किरण शर्मा ने बताया कि चालकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। मंगलवार को भी जिन आटो और ई-रिक्शा चालकों ने नियमों का उल्लंघन किया, उनसे यातायात संचालित करवाया गया। ताकि वे आगे से नो एंट्री में प्रवेश न करें। ट्रायल सफल होने के बाद नो एंट्री में प्रवेश करने पर इनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस ने जनवरी से मार्च तक शहर में 532 वाहन चालकों के लाइसेंस निलंबित किए हैं। इस दौरान रेड लाइट जंप करने वाले 395 दो पहिया वाहन, 136 चार पहिया वाहन और शराब पीकर वाहन चलाने एक वाहन शामिल है। शहर के बिगड़ैल यातायात से सभी लोग परेशान हैं। इसे लेकर यातायात पुलिस ने लाइलेंस निलंबन की कार्रवाई बढ़ाई है। इसके अलावा जनवरी से 15 मई तक रेड लाइट उल्लंघन पर 6904, बिना हेलमेट 9404, बिना सीट बेल्ट 1124, नो पार्किंग में 1292, तीन सवारी पर 117 चालान हुए। यातायात पुलिस ने बताया कि यातायात संचालन को सुचारु रुप से चलाए रखने के लिए आवश्यक जारी रहेगी।

भाजयुमो अध्यक्ष पर दो करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के भारतीय जनता युवा मोर्चा अध्यक्ष सौगात मिश्रा पर उधारी पर पैसे लेकर नहीं लौटाने का आरोप लगाया गया है। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री सहित भाजपा के बड़े नेताओं को गई है। मोर्चा अध्यक्ष सौगात मिश्रा और उपाध्यक्ष कपिल गोयल ने जयेश व्यास निवासी नारायण बाग से दो करोड़ रुपये उधार लिए थे।

बदले में 100 रुपये के स्टांप पर लिखा-पढ़ी की गई थी। एक स्टांप पर एक करोड़ जबकि चार स्टांप पर 25-25 लाख रुपये की लिखा पढ़ी की गई थी। गोयल ने चेक भी दिए थे, लेकिन रुपये नहीं लौटाए गए। लेने देन की बात भी व्यास के साथ भाजपा कार्यालय में हुई थी। इसकी शिकायत व्यास ने पुलिस कमिश्नर के अलावा मुख्यमंत्री को भी की है।

प्रॉपर्टी खरीदने के लिए रुपये लिए व्यास ने आरोप लगाया कि मिश्रा और गोयल ने किसी प्रॉपर्टी को खरीदने के लिए मुझसे दो करोड़ रुपये मांगे थे। यह भी कहा गया था कि बैंक लोन होने के बाद रुपये लौटा दिए जाएंगे, लेकिन तय समय बाद भी रुपये नहीं लौटाए गए। व्यास ने कहा कि जब मैं बार-बार रुपये मांगने लगा तो मुझे मिश्रा ने धमकियां देना शुरू कर दी।

जो चेक दिए थे। वह भी मैंने बैंक में लगाए, लेकिन वह बाउंस हो गए। रुपये नहीं लौटाने के बाद मुझे शिकायत करने पर मजबूर होना पड़ा।

आरोप बेबुनियाद - मिश्रा

इस मामले में भाजयुमो अध्यक्ष सौगात मिश्रा का कहना है कि आरोप बेबुनियाद हैं। मेरा इससे कोई लेना देना नहीं है। गोयल से जयेश का लेनेदेन हुआ था।

कलेक्टर ने लिया फायर सेफ्टी पर बड़ा फैसला

तीन मंजिला से बड़ी हर बिल्डिंग की आज से होगी जांच

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में 29 मई से हर तीन मंजिला या उससे बड़े मकानों की फायर सेफ्टी जांच होगी। जांच के दौरान बिल्डिंग में आग से सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने पर सील करने की कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने फायर सेफ्टी की बैठक में लिया है। कलेक्टर सिंह ने कहा कि ऐसे तीन मंजिला या उससे बड़ी बिल्डिंग जहां बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है, वहां आग सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना बहुत जरूरी है। इसमें लापरवाही और अनियमिताएं बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी को निर्धारित समय में इंतजाम करना होगा। बुधवार से जांच शुरू होगी। इसमें देखा जाएगा कि तीन मंजिला और इससे बड़ी होटल, हॉस्पिटल, कमर्शियल, इण्डस्ट्रियल यूनिट्स की बिल्डिंगों

और रेसीडेंशियल बिल्डिंगों में आग से सुरक्षा इंतजाम हैं या नहीं। सुरक्षा इंतजाम नहीं पाए जाने पर सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

यह है गाइड लाइन

ऐसी बिल्डिंग जिनमें सुरक्षा इंतजाम करने लिए आर्डर दिए गए हैं, उनके द्वारा प्रमाण दिखाए जाने पर कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्हें काम को पूरा करने के लिए समय दिया जाएगा। ऐसी सभी बिल्डिंग मालिकों चेतावनी दी जा रही है कि तय समय में इंतजाम कर लें।

कलेक्टर ने कहा कि आग से सुरक्षा के इंतजाम मान्यता प्राप्त वेंडर से ही करवाए जाएं। इसके लिए मान्यता प्राप्त वेंडर और सलाहकारों की लिस्ट नगर निगम द्वारा जल्द जारी की जाएगी। फायर सुरक्षा उपकरणों का नियमित रखरखाव भी करना होगा। शहर में आग से सुरक्षा के लिए हाइड्रोलिक सहित अन्य मशीन भी खरीदी जाएंगी। नए फायर स्टेशन भी बनाए जाना प्रस्तावित है।

मीटिंग में लिए गए सभी के सुझाव

मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में होटल, हॉस्पिटल, इण्डस्ट्रियल और कमर्शियल सेक्टर के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। बैठक में आग सुरक्षा प्रबंध से जुड़े सलाहकार और वेंडर भी शामिल हुए। इन सभी के भी सुझाव लिए गए। इसके पूर्व कलेक्टर ने एक माह का समय दिया था। फिर एक हफ्ते का समय और दिया गया था। अब लापरवाही पाए जाने पर सील करने की कार्रवाई होगी।

फेमस होने के शौक में सिरफिरे ने तीन ट्रेनों को बम से उड़ाने की दी धमकी

पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

राजगढ़ के एक सिरफिरे युवक को फेमस होने का ऐसा शौक चढ़ा कि उसने मध्यप्रदेश की तीन ट्रेनों को बम से उड़ाने की धमकी दे डाली। युवक ने यह धमकी रेल्वे स्टेशन जाकर एक न्यूज चैनल के मोबाइल पर मैसेज कर दी थी, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार किया। युवक ने न्यूज ऑफिस के मोबाइल पर पहले दो-तीन बार फोन किया, लेकिन ठीक से आवाज नहीं आने के बाद उसने मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था हमें तेरी आवाज नही आ रही, हमारी बात को नजर अंदाज करने की गुस्ताखी न करें आज एमपी में तीन ट्रेन में ब्लास्ट होगा । धमकी भरे इस मैसेज के बाद क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज की गई और पतासाजी कर आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार किया गया।

मौसेरे भाई की सिम से किया था धमकी भरा मैसेज

मामले को विवेचना में लेकर क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम ने धमकी में प्रयोग मोबाइल नम्बर को राजगढ़ जिले के तलेन ग्राम में पाया, वहीं आधार के माध्यम से युवक के दूसरी सिम की लोकेशन चुनाभट्टी में प्राप्त हुई। यहां पुलिस से पूछताछ में युवक शुभम ने बताया कि घटना में प्रयुक्त मोबाइल व सिम उसके मौसी के लड़के आनन्द बिलवान के पास था और उसी ने धमकी भरा यह मैसेज किया था।

प्राप्त सूचना पर पुलिस ने आनंद बिलवान को कोलार चौराहे के पास से गिरफ्तार किया और अपराध के संबंध मे पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपी कालापीपल, जिला शाजापुर का रहने वाला है और कई प्रतिभागी परीक्षाएं दे चुका है तथा वर्तमान में माइक्रो फायनेंस कंपनी में नौकरी करता है। आरोपी अधिक से अधिक पैसे कमाने और फेमस होने के नये-नये तरीके खोजता रहता था। ऐसे ही उसने ट्रेन को बम से उड़ाने की झूठी खबर फैलाकर फेमस होना चाहता था।

मध्य प्रदेश के चार शहरों के 20 बार-रेस्टोरेंट पर जीएसटी का छापा

सिटी चीफ भोपाल।

राज्य जीएसटी की एंटी एविजन ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को इंदौर, भोपाल, सागर और रीवा में 20 बार-रेस्टोरेंट पर छापा मारा है। सभी जगह बड़े स्तर पर जीएसटी चोरी के प्रमाण मिले हैं।

कुछ रेस्टोरेंट का तो जीएसटी में पंजीयन ही नहीं था तो कुछ पंजीयन होने के बाद भी जीएसटी जमा नहीं कर रहे थे, जबकि ग्राहकों से ले रहे थे।

इंदौर में 10, भोपाल में छह, सागर में तीन और रीवा में एक बार व रेस्टोरेंट पर छापे की कार्रवाई मंगलवार शाम शुरू हुई जो देर रात तक जारी रही। भोपाल में 10 नंबर मार्केट, हमीदिया रोड सहित अन्य स्थानों पर छापेमारी की गई। बार में 18 प्रतिशत और रेस्टारेंटों में पांच प्रतिशत जीएसटी लगता है। सभी स्थानों में मिलाकर एक करोड़ रुपये से भी अधिक जीएसटी की रिकवरी निकल सकती है।

जीएसटी के अधिकारियों ने बताया कि इनमें कुछ बार-रेस्टोरेंट संचालक ग्राहकों को साधारण बिल दे रहे थे, जिसमें जीएसटी नंबर तक नहीं था। इस तरह वे ग्राहकों से तो जीएसटी के नाम पर राशि ले रहे थे, पर विभाग में जमा नहीं कर रहे थे। विभाग की टीम ने इनकी पूरी जानकारी जुटाने के बाद कार्रवाई की है।

किर्गिस्तान से सकुशल उज्जैन लौटा एमबीबीएस छात्र रवि, सीएम मोहन यादव का जताया आभार

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान के एशियन मेडिकल इंस्टिट्यूट में एमबीबीएस थर्ड ईयर की पढ़ाई कर रहे रवि सराठे सकुशल उज्जैन पहुंच गए हैं। रवि सराठे ने वीडियो जारी कर बताया कि किर्गिस्तान में रहकर वह अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे थे, लेकिन वहां के स्थानीय लोग और छात्रों के बीच हो रही हिंसक घटनाओं से वह चिंतित हो गए थे। आलम यह था कि सात मई के बाद हर दिन दहशत में बीता। रवि सराठे ने बताया कि

किर्गिस्तान में हो रही हिंसा से वह और उनके साथी काफी डरे हुए थे। कुछ दिन पहले जब मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने उनसे वीडियो कांफ्रेसिंग पर बात की और उन्होंने हमारा हौसला बढ़ाया तो उम्मीद की एक किरण जागी। मंगलवार को सरकार के प्रयासों के बाद रवि सराठे अपने दो अन्य साथियों के साथ सकुशल उज्जैन पहुंच गए हैं। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार माना है। सराठे ने कहा कि संकट की इस घड़ी में मुख्यमंत्री ने चिंता जताते हुए उन्हें भारत वापस लाने की दिशा में ठोस कदम उठाए। सराठे व उनके साथी दो देशों में घूमकर अपने देश तक पहुंचे हैं।

भोपाल में भीषण गर्मी, मुंह से झाग निकलने के बाद हुई दो लोगों की मौत

सिटी चीफ भोपाल।

राजस्थान और गुजरात की ओर से आ रही गर्म हवाओं के असर से मध्य प्रदेश में भी इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। राजधानी भोपाल में भी पारा 45 डिग्री के पार पहुंच गया है। ऐसे में जो लोग धूप में बाहर निकल रहे हैं। उनके साथ अजीब सा हादसा हो रहा है। मंगलवार को नगर निगम के एक ठेकेदार की अचानक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ठेकेदार अजय प्रधान उम्र 36 वर्ष भोपाल नगर निगम में ठेकेदारी का काम करता था। सोमवार को वह दोपहर करीब तीन बजे बेहोश हो गया। अचानक उनके मुंह से झाग आने लगा। उसे पहले बैरागढ़ सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उसे वहां से चिरायु अस्पताल रैफर कर दिया गया। वहां डाक्टरों ने अजय प्रधान को मृत घोषित कर दिया।

वहीं दूसरा मामला सोमवार का है। 57 वर्षीय धीरेंद्र कुमार की मौत भी कुछ इसी तरह हुई है। वह दोपहर को चिलचिलाती गर्मी में लालघाटी से अपने घर अशोका गार्डन जा रहे थे। तभी अचानक उनके मुंह से भी झाग निकला और वह गिरकर बेसुध हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया है। दोनों शवों का मंगलवार को पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस का कहना है कि अभी कुछ कह पाना मुश्किल है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं इस बारे में डाक्टरों का कहना है कि यह सीवियर हीट स्ट्रोक के लक्षण हैं।

बैरसिया में एचडीएफसी बैंक के एटीएम से छेड़छाड़ कर चोरी की कोशिश

सिटी चीफ भोपाल।

बैरसिया थाना इलाके में एक नकाबपोश बदमाश ने एटीएम बूथ में घुसकर मशीन से छेड़छाड़ करते हुए रुपये चुराने की कोशिश की। घटना सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात की है। हालांकि बदमाश अपने मंसूबे में कामयाब हो पाता, इससे पहले पुलिस का एक गश्ती वाहन वहां पहुंच गया। इससे नकाबपोश बदमाश वहां से भाग गया और वारदात टल गई। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है।

बैरसिया थाना पुलिस के मुताबिक भोपाल रोड पर एचडीएफसी बैंक का एटीएम बना हुआ है। इसमें गार्ड तैनात नहीं रहता है। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब दो बजे एक अज्ञात व्यक्ति एटीएम से चोरी करने का प्रयास कर रहा

था। उसने एटीएम के सामने लगी प्लेट खोल भी ली थी, लेकिन कैश बाक्स तक नहीं पहुंच पाया। उसी दौरान रात को गश्त कर रहा पुलिस का वाहन वहां पहुंचने से आरोपित भाग निकला। एटीएम बूथ में लगे कैमरे में अज्ञात नकाबपोश एटीएम से छेड़छाड़ करता दिख रहा है। हुलिए के आधार पर आरोपित की तलाश की जा रही है। अज्ञात के खिलाफ चोरी के प्रयास का केस दर्ज कर लिया गया है।

शादी समारोह में आई नाबालिग से रिश्तेदार ने किया दुष्कर्म, गर्भवती हुई

सिटी चीफ भोपाल।

शहर के कोलार इलाके में एक 17 वर्षीय किशोरी के साथ उसके ही रिश्तेदार ने दुष्कर्म कर दिया। बाद में वह धमकी देकर उसका शारीरिक शोषण करने लगा। इसकी वजह से किशोरी गर्भवती भी हो गई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में एफआइआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपित एक आपराधिक प्रकरण के चलते फिलहाल जेल में है।

कोलार थाना पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय किशोरी गौहरगंज, जिला रायसेन की रहने वाली है।

वह सितंबर 2023 में भोपाल अपनी एक रिश्तेदार की शादी में आई थी। उसी दौरान आरोपित सोहेल खान से उसकी मुलाकात हुई थी। सोहेल उसका दूर का रिश्तेदार है। दोनों के बीच में बातचीत हुई और दोनों साथ रहने लगे थे। इस दौरान आरोपित ने नाबालिग से दुष्कर्म किया। इधर, नाबालिग के स्वजनों को लगा कि वह जिस रिश्तेदार के यहां शादी में गई थी, उन्हीं के घर पर रह रही है। इधर, आरोपित किशोरी को अपने साथ रहने के लिए मजबूर करते हुए उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। परेशान होकर किशोरी ने स्वजन को इसके बारे में बताया। इसके बाद स्वजन के साथ पहुंचकर कोलार थाने में शिकायत की। बताया जा रहा है कि युवती चार माह की गर्भवती है। बता दें कि आरोपित सोहेल खान फिलहाल एक आपराधिक मामले में जेल में बंद है। उसे पुलिस ने इसी महीने गिरफ्तार किया है।

अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध 200 प्रकरण दर्ज

1.25 करोड रुपये का राजस्व अर्थदंड लगाया

सिटी चीफ भोपाल।

मुख्यमंत्री डा मोहन यादव के निर्देश के बाद खनिज विभाग ने जिलों में सघन कार्रवाई शुरु कर दी है। प्रदेश में विगत दिनों में मुख्यमंत्री के निर्देशों पर रेत सहित अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण तथा ओवरलोडिंग पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

डंपर और पोकलेन मशीन जब्त

देवास, सीहोर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, खरगोन, हरदा एवं शहडोल सहित प्रदेशभर में की गई कार्रवाई में अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण तथा ओवरलोडिंग के कुल लगभग 200 प्रकरण दर्ज कर डंपर, पोकलेन मशीन, पनडुब्बी इत्यादि जब्त की गई है और 1.25 करोड रुपये का राजस्व अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने

विभागों की समीक्षा के दौरान, नदियों में निर्धारित मानदंड से हटकर उत्खनन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इस संबंध में प्रमुख सचिव खनिज निकुंज श्रीवास्तव द्वारा सभी कलेक्टरों और खनिज अधिकारियों को अवैध उत्खनन करने वालों के विरुद्ध 15 जून तक अभियान चला कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत इन-स्ट्रीम माइनिंग पर प्रभावी रोक लगाई जाएगी। जितनी मात्रा की इटीपी जारी की गई है, उससे अधिक परिवहन ना हो। स्वीकृत क्षेत्र से बाहर उत्खनन ना हो।

सागर के खुरई में हुई घटना के पीड़ितों से मिलेंगे सीएम यादव

वहीं, सागर के खुरई में हुई घटना को लेकर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। मुझे घटना की जानकारी मिली है। बुधवार को खुरई जा रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि भगवान सब ठीक करेगा। कांग्रेस का काम विपक्ष का है और बोलते रहना है। उन्होंने कहा कि गांव के लोग आपस में मिलकर रहें। झगड़ा न हो। मैंने प्रशासन से भी कहा है कि वे मुस्तैदी से पेश आए। कांग्रेस का काम विपक्ष का है। उनको बोलते रहना है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जहां झगड़ा हुआ वहां और जिनके घर घटना हुई वहां भी बैठकर आए हैं। बाहर से आकर कोई भी आदमी क्या करेगा।परस्पर घटना हुई है। उसकी गंभीरता का हमको अहसास है।

बरोदिया-नैनागिर हत्याकांड के पीड़ितों से मिले सीएम मोहन यादव, हरसंभव सहायता का दिया भरोसा

सिटी चीफ भोपाल।

सागर। खुरई के बरौदिया-नोनागिर गांव में विवाद के दौरान हुई हत्या व एक युवती द्वारा एंबुलेंस से कूदकर हुई मौत का मामले को लेकर प्रदेश में सियासत गरमा रही है। बुधवार सुबह प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव बरोदिया-नैनागिर गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिया। सीएम ने कहा कि गांव में पुलिस चौकी खुलेगी। परिवार को पूरी मदद देंगे। सरकार शोकाकुल परिवार के साथ है।

गौरतलब है कि एक दिन पहले प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी भी बरौदिया-नोनागिर पहुंचे थे और उन्होंने राहुल गांधी से पीड़ितों की फोन पर बात भी करवाई थी। .

सम्पादकीय

पद्मश्री वैद्य का इलाज रोकने का फैसला

नई दिल्ली- छत्तीसगढ़ के बस्तर स्थित नारायणपुर जिले में रहने वाले 'वैद्यराज' हेमचंद मांझी की निराशा चिंताजनक है। 72 साल के मांझी 20 साल की उम्र से जड़ी-बूटियों के सहारे आदिवासियों का इलाज करते रहे हैं। लेकिन माओवादियों की ओर से लगातार मिलती धमकियों से तंग आकर उन्होंने अपना यह काम बंद करने का फैसला किया है। मांझी को आदिवासियों की आजीवन सेवा की एवज में पिछले महीने ही पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया है। लेकिन माओवादियों का कोपभाजन वह पहले से बने हुए हैं। छह महीने पहले ही माओवादियों ने उनके भतीजे कोमल की हत्या कर दी थी। उनके कई और रिश्तेदार माओवादी हिंसा की भेंट चढ़ चुके हैं। अब उनकी हत्या करने की धमकी दी जा रही है। माओवादियों की ओर से छोड़े जा रहे पर्चों में मांझी को गद्दार बताते हुए आरोप लगाया जाता है कि वह स्थानीय आमदायी खदान प्रॉजेक्ट को आगे बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं। मांझी खदान प्रॉजेक्ट से अपना कोई लेना-देना होने से इनकार करते हैं। माओवादी इन स्थानीय प्रॉजेक्टों को आदिवासी हितों के खिलाफ बताते हुए उनका विरोध करते हैं। माओवाद प्रभावित इलाकों में इस तरह की स्थिति कोई नई बात नहीं है। इन इलाकों में पुलिस-प्रशासन और प्रॉजेक्ट संचालकों से माओवादियों का सीधा और तीखा विरोध होता है। ऐसे में इन इलाकों में शांतिपूर्ण ढंग से आदिवासियों के बीच रचनात्मक कार्य कर रहे लोगों को अक्सर इन दोनों ही पक्षों का विरोध झेलना पड़ता है। पुलिस उन्हें नक्सल सिंपैथाइजर समझती है तो नक्सली उन पर पुलिस और पूंजीपतियों का एजेंट होने का ठप्पा लगाते हैं। निश्चित रूप से इसका स्थायी इलाज यही है कि इन क्षेत्रों को माओवादी प्रभाव से मुक्त किया जाए। लेकिन काफी कुछ इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसके लिए उपाय क्या अपनाए जा रहे हैं। आम तौर पर दो ही स्थितियां दिखती हैं। कुछ सरकारें माओवाद को सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक समस्या मानते हुए पुलिस कार्रवाई के मोर्चे पर ढिलाई बरतने लगती हैं तो कुछ अन्य सरकारें पूरा जोर पुलिस बलों की सख्ती पर लगा देती हैं।

छत्तीसगढ़ में हाल के दिनों में पुलिस कार्रवाई पर जोर बढ़ा है। इस साल के इन पांच महीनों में ही सुरक्षा बलों के हाथों 116 माओवादी मारे जा चुके हैं जबकि 2023 में पूरे साल के दौरान यह संख्या 22 थी। स्वाभाविक ही फेक एनकाउंटर के आरोप भी लग रहे हैं। पुलिस की सख्ती माओवाद से मुक्ति के प्रयासों का अहम हिस्सा है और रहेगी। लेकिन जरूरी है कि बेकसूरों के मारे जाने की किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए क्योंकि फेक एनकाउंटर का कोई एक भी मामला दर्जनों जेनुइन ऑपरेशंस के असर पर पानी फेर देता है।

जून में गंगा दशहरा कब ?

जानें शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

ज्येष्ठ माह में आने वाले सभी त्योहारों का विशेष महत्व है। इस माह में वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, अपरा एकादशी जैसे बड़े पर्व आते हैं। इन्हीं में से एक है गंगा दशहरा! ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस तिथि को बेहद ही शुभ माना जाता है। इस दिन गंगा नदी की विधि-विधान से पूजा अर्चना की जाती है। साथ ही दान जैसे पूण्य कार्य करते हुए गंगा में स्नान किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। यही नहीं उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। शास्त्रों में गंगा माता को मोक्षदायिनी भी कहा गया है। ये भी माना जाता है कि गंगा नदी शिव जी की जटाओं से निकलती हैं, इसलिए इस दिन शिव जी की भी पूजा करनी चाहिए। इससे विशेष लाभ की प्राप्ति होती है। इसी कड़ी में आइए जानते हैं कि इस साल गंगा दशहरा कब है ?

इस साल कब है गंगा दशहरा ?- इस साल 16 जून 2024 के दिन गंगा दशहरा मनाया जाएगा। इस दिन स्नान के लिए ब्रह्म मुहूर्त बेहद शुभ होता है। हालांकि, गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर सुबह 7 बजकर 8 मिनट से सुबह 10ः37 तक शुभ मुहूर्त रहने वाला है।

गंगा स्नान से ये पाप होते हैं नष्टझ्र- गंगा स्नान करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से 10 पाप नष्ट हो जाते हैं। इनमें निषिद्ध हिंसा, परस्त्री गमन, बिना दी हुई वस्तु को लेना, कठोर वाणी, दूसरे के धन को लेने का विचार, दूसरों का बुरा करना, व्यर्थ की बातों में दुराग्रह, झूठ बोलना, चुगली करना, दूसरों का अहित करना शामिल है।

शनि जयंती और वट सावित्री व्रत एक दिन, इस विधि से पूजा करने पर शुभ फलों को होगी प्राप्ति

ज्येष्ठ माह की शुरुआत हो चुकी है और इस माह आने वाले सभी त्योहारों का विशेष महत्व है। इस माह की कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि बेहद शुभ रहने वाली है। इस दिन शनि जयंती और वट सावित्री व्रत रखा जाएगा। बता दें वट सावित्री का उपवास ज्येष्ठ मास की अमावस्या और पूर्णिमा तिथि को रखा जाता है। मान्यता है कि इस दिन उपवास करने से अखंड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद मिलता है। यह उपवास पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। इस दौरान कुछ महिलाएं निर्जला व्रत भी रखती है और बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि पर शनि जयंती भी मनाई जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार शनि देव का जन्म ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को हुआ था। इस दिन इनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। शनिदेव की कृपा पाने के लिए यह तिथि बेहद ही शुभ मानी जाती है। इस तिथि पर पूजा करने से व्यक्ति के रुके हुए कार्यों को गति मिलती है। ऐसे में आइए पूजा विधि के बारे में विस्तार से जान लेते हैं। पंचांग के अनुसार इस वर्ष वट सावित्री व्रत 6 जून 2024 को रखा जाएगा। वहीं इस दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त प्रातः 11 बजकर 52 मिनट से दोपहर 12 बजकर 48 मिनट पर होगा। वहीं इस साल 6 जून 2024 के दिन शनि जयंती मनाई जाएगी। मान्यताओं के अनुसार इस दिन पूजा के साथ-साथ स्नान और दान करना लाभदायक होता है।

सियासत के बाद वर्तमान पर ध्यान देने का वक्तः बढ़ रहा असंतोष, शिक्षा-रोजगार के मुद्दों से निपटना बड़ी चुनौती

चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद चाहे जो भी सत्ता में आए, कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उम्मीद है कि नई सरकार कुछ कटु सच्चाइयों पर अधिक ध्यान देगी। भारत तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। हम अक्सर जनसांख्यिकीय लाभांश के बारे में बातें करते हैं। देश के युवा कार्यबल में आर्थिक विकास, नवाचार और उत्पादकता को बढ़ाने की क्षमता है। लेकिन अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ते उन उच्च शिक्षित युवाओं के लिए पर्याप्त संख्या में उचित रोजगार सृजित नहीं कर पा रही है, जो सुरक्षित, ऊंचे वेतन वाली व्हाइट कॉलर जॉब की उम्मीद रखते हैं। रोजगार पाने का मतलब अक्सर कम वेतन वाला, अनिश्चित काम करना होता है। पिछले हफ्ते एक खबर पर मेरा ध्यान गया, जिससे पता चलता है कि स्थिति कितनी गंभीर है। एक राष्ट्रीय अखबार की खबर के अनुसार, आईआईटी कानपुर के एक पूर्व छात्र धीरज सिंह द्वारा दाखिल आरटीआई आवेदन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, देश के 23 आईआईटी के करीब 38 प्रतिशत छात्र अब तक बेरोजगार हैं। समाचार में सिंह के हवाले से बताया गया है कि इस वर्ष सभी 23 में 7,000 छात्रों को आईआईटी कैंपस के माध्यम से नियुक्ति नहीं मिलि है।?सिर्फ दो साल पहले यह आंकड़ा इसके लगभग आधा (3,400) था। सिंह ने बताया कि जहां अधिक छात्र रोजगार के लिए आवेदन कर रहे हैं, वहीं दो साल में बेरोजगार छात्रों की संख्या 2.3 गुना बढ़ गई है। यदि यह कोई अकेला मामला होता, तो इसे नजरअंदाज किया जा सकता था, लेकिन भारत में शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी पिछले कुछ समय से बड़ी चिंता का विषय रही है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन एवं दिल्ली स्थित थिंक टैंक मानव विकास संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित इंडिया एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट, 2024 के अनुसार, भारत के बेरोजगार कार्यबल में 83 फीसदी युवा हैं और कुल बेरोजगार आबादी में माध्यमिक या उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की हिस्सेदारी वर्ष 2000 में 35.2 फीसदी थी, जो 2022 में बढ़कर 65.7 फीसदी हो गई। वर्ष 2023 के लिए परिशिष्ट के साथ मुख्यतः 2000 और 2022 के बीच के आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण और नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधरित यह रिपोर्ट बताती है कि शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी का स्तर काफी ऊंचा है। शिक्षा के स्तर के साथ युवा बेरोजगारी दर बढ़ी है। स्नातक या उससे ज्यादा शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है और शिक्षित पुरुषों के मुकाबले शिक्षित महिलाओं में बेरोजगारी दर ज्यादा है। क्या भारत के श्रम बाजार में उनके लिए अवसर हैं, लेकिन शिक्षित युवाओं के लिए बेहतर गुणवत्ता वाली पर्याप्त नौकरी नहीं है? आंकड़े इसी तरफ इशारा करते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी वाली बात यह है कि गरीब परिवारों के शिक्षित युवा विशेष रूप से कठिन परिस्थितियों में हैं। रिपोर्ट बताती है कि सबसे कम मासिक प्रति व्यक्ति व्यय क्वाइंटाइल (29.4 प्रतिशत) में माध्यमिक या उच्च-माध्यमिक शिक्षा वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी दर उच्चतम क्वाइंटाइल (25.8 प्रतिशत) वाले युवाओं की तुलना में अधिक थी। यहां बता दें कि क्वाइंटाइल किसी आंकड़े को पांच बराबर भागों में विभाजित करती है। नतीजतन युवाओं के बीच उच्च बेरोजगारी दर आंशिक रूप से व्हाइट कॉलर जॉब की आकांक्षाओं के कारण हो सकती है, जो पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। सबसे गरीब युवा, जिनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संसाधनों और सामाजिक पूंजी का अभाव है, वे अधिक पीड़ित हैं। चिंता की बात है कि हाशिये पर पड़े अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उच्च शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी दर अन्य पिछड़ा वर्ग या सामान्य श्रेणी के युवाओं की तुलना में ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामाजिक रूप से हाशिये के युवाओं में उच्च बेरोजगारी उन चुनौतियों का संकेत देती है, जिनका सामना उन्हें बेहतर रोजगार की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए करना पड़ता है। यह प्रवृत्ति सामाजिक विषमताओं को कायम रखती है और सामाजिक रूप से ऊपर उठने में बाधा उत्पन्न करती है। क्या उच्च शिक्षित युवाओं के लिए शिक्षा के स्तर और नौकरियों के बीच विसंगति समय के साथ बढ़ी है? इंडिया एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट, 2024 इस बारे में कुछ संकेत देती है। यह बताती है कि उच्च शिक्षित युवाओं (पुरुष एवं महिला) का एक बड़ा हिस्सा, जिसमें तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा भी शामिल हैं, अपनी नौकरी से ज्यादा योग्यता रखते हैं। तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं में से भी 0.4 फीसदी ऐसे व्यवसायों में लगे हुए थे, जो उनकी योग्यता के अनुरूप नहीं थे। हालांकि समग्र रूप से शिक्षा प्राप्ति में बढ़ोतरी हुई है, जिससे नौकरी की मांग रही है, जो (उच्च शिक्षित और कम शिक्षित युवाओं) में रोजगार दर को कम कर रही है और बेरोजगारी दर बढ़ा रही है। इसके चलते उच्च शिक्षित युवा भी कम कौशल वाले ब्ल्यू-कॉलर जॉब अपनाने लगते हैं। एक और चिंतनीय विषय है कि तमाम उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्ति का स्तर अब भी निम्न बना हुआ है और गुणवत्ता चिंता का विषय है। गरीब राज्यों एवं हाशिये के समूहों में मध्य एवं माध्यमिक स्तर की शिक्षा के बाद ड्रॉप-आउट (स्कूल छोड़ने) की दर उच्च है। शिक्षा की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय है। स्कूली स्तर पर और सामान्य रूप से भी सीखने के स्तर में कमी आई है और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता खराब है। हम ऐसी स्थिति को जारी नहीं रहने दे सकते। रिपोर्ट बताती है कि योग्यताओं, आकांक्षाओं और नौकरियों के बीच विस्फोटक अंतर असंतोष बढ़ा रहा है। हालांकि ऐसे मामले अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों में आम रहे हैं, लेकिन अब आर्थिक रूप से ज्यादा गतिशील राज्यों में भी ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। इसलिए अब सुदूर अतीत और सुदूर भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय वर्तमान पर ध्यान देने का समय आ गया है।

सहारा रेगिस्तान जैसा तपता एशिया, समाज के वंचित और गरीब तबके के लोगों के जीवन पर सबसे बुरा असर

ग्लोबल वॉर्मिंग- सहारा रेगिस्तान जैसा तपता एशिया, समाज के वंचित और गरीब तबके के लोगों के जीवन पर सबसे बुरा असर इन दिनों झुलसा देने वाली गर्मी से जन-जीवन अस्त-व्यस्त है। देश के कई हिस्सों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है। अमेरिकी गैर-लाभकारी संस्था बर्कले अर्थ के डाटा से पता चलता है कि मई, 2024 दुनिया के अब तक के इतिहास में सबसे गर्म मई है। इन दिनों पूरे उत्तर-पश्चिमी भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। दिल्ली, गुरुग्राम, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश में अधिकतम तापमान इस सचाई को साफ बयान कर रहे हैं। लू लगने और गर्मी जनित बीमारियों की वजह से अस्पतालों के बाह्य रोगी विभाग में पहुंचने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है। पूरे एशिया में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ग्रुप के एक नए अध्ययन से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन ने अप्रैल-मई में पूरे एशिया में हीटवेव्स को बढ़ा दिया था, जिससे अरबों लोग प्रभावित हुए। अप्रैल-मई में, एशिया के कई क्षेत्रों में अब तक के सबसे गर्म दिन दर्ज किए गए। म्यांमार, लाओस, वियतनाम और फिलीपीन में अभूतपूर्व उच तापमान देखा गया। भारत के कई हिस्सों में दोपहर का तापमान 46-48 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जबकि युद्धरत फलस्तीन और इस्राइल को भी 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक की गर्मी का सामना करना पड़ा है। जाहिर है, जलवायु परिवर्तन ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। रिकॉर्ड तोड़ गर्म महीनों का सिलसिला जारी रहा, तो गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले एशियाई लोगों के लिए जीवनयापन मुश्किल हो जाएगा। क्लाइमेट सेंट्रल ने कहा है कि भारत में 54.3 करोड़ लोगों को अप्रैल-मई के दौरान कम से कम एक दिन भीषण गर्मी का अनुभव होगा। साथ ही दिल्ली में तो गर्मी और लू कहर बरपा रही है। जर्मन वॉच द्वारा जारी ग्लोबल क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स यानी वैश्विक जलवायु संकट सूचकांक के अनुसार, भारत अत्यधिक गर्मी की मार झेल रहा है। ग्लोबल क्लाइमेट शिफ्ट इंडेक्स (सीएसआई) के अनुसार, मई के दौरान जो गर्मी पड़ रही है, वह क्लाइमेट चेंज की वजह से सामान्य से तीन से छह डिग्री सेल्सियस अधिक है। यदि जलवायु परिवर्तन नहीं होता, तो तापमान तीन से छह डिग्री कम रहता। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र का अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) अपनी रिपोर्ट में बार-बार बता रहा है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी नहीं आई, तो 50 साल के अंदर एक तिहाई इन्सानों पर 'लगभग असहनीय' गर्मी की मार पड़ेगी। प्रोसिडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऐंड साइंसेज जर्नल में कुछ साल पहले की गई यह भविष्यवाणी अब साफ तौर पर हकीकत में बदलती नजर आ रही है कि लगातार बढ़ते तापमान के कारण 3.5 अरब लोगों को उस आबोहवा से वंचित होना पड़ेगा, जिसका इन्सान पिछले 6,000 साल से आदी रहा है। दुनिया की लगभग एक तिहाई आबादी को आशियाना देने वाला भूभाग (एशिया) ग्लोबल वार्मिंग के चलते सहारा क्षेत्र के सबसे गर्म हिस्सों जितना गर्म हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, अब अगर दुनिया के सभी देश अपनी वर्तमान उत्सर्जन-कटौती प्रतिज्ञाओं (एनडीसी) को पूरा कर भी लें, तो दुनिया इस शताब्दी में किसी न किसी समय ग्लोबल वार्मिंग के 2.5 और 2.9 डिग्री स्तर के बीच के तापमान तक पहुंच जाएगी। इन्सानी गतिविधियों ने जलवायु को इतना गर्म कर दिया है, जो कम से कम पिछले 2,000 वर्षों में सबसे अधिक है और पिछला दशक 125,000 वर्षों में से सबसे गर्म दशक था। धरती की गर्मी अपने में सोख कर समुद्र भी गर्म होकर उबल रहे हैं, विशेषकर हिंद महासागर। हिंद महासागर का तापमान अब तक की रफ्तार से कहीं यादा तेजी से बढ़ रहा है। लगातार बढ़ने से इसकी सतह का तापमान साल भर 28 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने का अनुमान है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि पहले हिंद महासागर में अत्यधिक गर्मी के हर साल 20 दिन होते थे, लेकिन बहुत जल्द ये दस गुना बढ़ जाएंगे। अब हर वर्ष अत्यधिक गर्मी के दिन 220 से 250 हो जाएंगे। जाहिर है, धरती से लेकर समुद्र तक अत्यधिक गर्मी की मार झेल रहे हैं। भीषण गर्मी समाज के हर वर्ग को, हर जीव-जंतुओं के जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। हालांकि अलग-अलग लोगों और जीवों पर इसका असर अलग अलग पड़ता है, लेकिन सबसे यादा प्रभावित समाज के गरीब और वंचित तबके के लोग होते हैं।

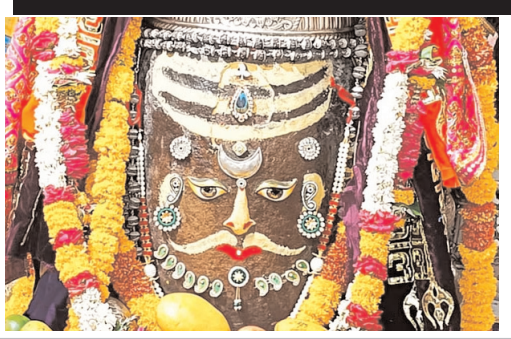

प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम का जल अर्पित, फिर भस्म से सजे महाकाल; मखाने की माला से हुआ राजसी श्रृंगार

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर पंचामृत और फलों के रस से किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया।कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट, मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज षष्ठी तिथि व बुधवार के संयोग पर भस्मआरती में बाबा महाकाल का त्रिपुंड, चन्द्र, तिलक और मखाने की माला से सजे बाबा महाकाल का राजसी स्वरूप में श्रंगार किया गया था और बाद में कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया। जिसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

राजा जनमेजय हॉस्पिटल में चिकित्सकों की टीम ने 6 महीने की बच्ची की लेप्रोटोमी जैसी जटिल सर्जरी

उज्जैन

कोटा फाटक, जवाहर मार्ग नागदा स्थित राजा जनमेजय हॉस्पिटल में लेप्रोटोमी) जैसी जटिल सर्जरी कर सफलता अर्जित की है । 6 माह की बच्ची की माँ ओपीडी में खून कि दस्त और पेट दर्द की समस्या कि साथ दिखाने आयी और जाँच में पता लगा कि मानवी जाट 6वर्ष। को इंटससेप्शन एक गंभीर स्थिति है जिसमें आंत का एक हिस्सा आंत के साथ वाले भाग में स्लाइड करता है। इसके कारण अक्सर भोजन या तरल पदार्थ को सामान्य रूप से गुजरने में समस्या होती है। यही नहीं, इंटससेप्शन के कारण पेट के प्रभावित हिस्से में खून की सप्लाई भी नहीं हो पाती। इस कारण आंत में संक्रमण हो सकता है। 3 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में आंतों की रुकावट का सबसे आम कारण इंटससेप्शन है। इंटससेप्शन को मेडिकल इमरजेंसी माना जाता है, जिसका सफल इलाज डॉ प्रशांत पाटीदार, डॉ गौरव पटेल ,डॉ शुभम पाटीदार , एवं उनकी टीम कि द्वारा किया गया और मानवी अभी स्वस्थ है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने मतगणना तैयारियों की समीक्षा की

खरगोन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मप्र अनुपम राजन द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी रिटर्निंग अधिकारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर लोकसभा चुनाव-2024 के अंतर्गत 4 जून को होने वाली मतगणना की तैयारियों की समीक्षा की गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में खरगोन से कलेक्टर एवं जिला निवार्चन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जेएस बघेल, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्वा मण्डलोई, जिले के सभी 06 विधानसभा क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मप्र,अनुपम राजन ने प्रदेश के सभी 29 लोकसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी सर्तकता बनाये रखें और मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। मतगणना स्थल पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं और संसाधन उपलब्ध रहें। तेज गर्मी को देखते हुए ठंडा पानी, कूलर, पंखे, मेडिकल किट, एम्बुलेंस, अग्नि शामक यंत्र, फायर ब्रिगेड सहित सभी व्यवस्थाएं कर लें। बिजली की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करें। पावर बैक-अप प्लान और जनरेटर आदि की व्यवस्था भी रखें। मतगणना कर्मियों को दिया जा रहा गणना कार्य का प्रशिक्षण 31 मई तक पूरा कर लें। भारत निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंधित रहेगा।

शाम के समय भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील इलाक़ों में पैदल भ्रमण करें तथा सोशल मीडिया पर नजर रखे : पुलिस आयुक्त श्री मिश्र

भोपाल अपराधों की रोकथाम एवं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणाचारी मिश्र द्वारा आज दोपहर कमिश्नर कार्यालय सभागार कक्ष में सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली गई द्य इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री पंकज श्रीवास्तव एवं समस्त ष्टष्टक्, ष्टष्टरु ष्टष्टक्, ष्टक्एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे ।

पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणाचारी मिश्र ने बैठक को संबोधित करते हुए जोन वार पेंडिंग अपराधों की समीक्षा की एवं निर्देशित किया कि शहर मे शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु सभी अधिकारी व थाना प्रभारी अतिसंवेदनशील होकर आपराधिक तत्वों पर अंकुश लगाएं द्य गुंडे, बदमाशों के खिलाफ लगातार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें तथा मादक पदार्थों, जुआ सट्टा व अवैध आर्म्स तस्करों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करें द्य सभी थाना प्रभारी बल के साथ शाम के वक्त भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, बाजारों एवं संवेदनशील इलाक़ों में पैदल भ्रमण करें साथ ही प्रमुख स्थानो व चौराहों पर संदिग्ध वाहनों एवं लोगों की चेकिंग करें द्य असामाजिक तत्वों पर नजर बनाए रखेंद्य नगर रक्षा समिति एवं गणमान्य नागरिकों से संवाद करें द्य महिला व बाल अपराधों की रोकथाम हेतु झुग्गी बस्तियों में जागरूकता सेमिनार आयोजित करें द्य धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर निर्धारण हेतु धर्म गुरुओं, गणमान्य नागरिको के साथ बैठक कर लाउडस्पीकर हटवायेद्य वाहन चोरी, नकबजनी की घटनाओं की रोकथाम हेतु चेकिंग अभियान चलाएं तथा सोशल मीडिया पर नजर रखे ।

थाना क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा एमपी की 03 ट्रेनो को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को किया को गिरफ्तार किया

भोपाल

ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले को मात्र 6 घण्टे मे किया पुलिस ने गिरफ्तार।

आरोपी द्वारा न्युज चैनल के संपादक को किया गया ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी का मैसेज।

आरोपी ने रेल्वे स्टेशन पर जाकर किया था धमकी भरा मैसेज।

म.प्र.की तीन ट्रेनो को बम से उड़ाने की दी थी धमकी

शहर में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल श्री पंकज श्रीवास्तव द्वारा आरोपियों की धरपकड़ पर कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया । उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस उपायुक्त अपराध श्री अखिल पटेल एवं अति पुलिस उपायुक्त अपराध श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान,सहायक पुलिस आयुक्त अपराध श्री मुख्तार कुरैशी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना क्राइम ब्रांच अशोक कुमार मरावी व उनकी टीम को ट्रेन को बम से उड़ाने वाले आरोपी की तलास पतारसी में लगाया गया । घटना का विवरण- किसी अज्ञात मोबाईल नम्बर के उपयोगकर्ता द्वारा न्यूज के आफिस के मोबाईल नम्बर पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा मैसेज कर मध्यप्रदेश मे तीन ट्रेनो मे ब्लास्ट करने की धमकी दी गई है । आवेदक के आफिस के मोबाईल नम्बर पर किसी अज्ञात व्यक्ति नें मोबाईल नम्बर से पहले दो-तीन बार फोन किया उसके बाद फोन पर सही से बात नही होने के कारण उस अज्ञात मोबाईल नम्बर के धारक के द्वारा आफिस के मोबाईल नम्बर पर मैसेज किया की हमे तेरी आवाज नही अ रही, हमारी बात को नजर अंदाज करने की गुस्तखी न करे आज MP में तीन ट्रेन में ब्लास्ट होगा जल्द ही अभी ट्रेन MPसे बाहर है इंसाअल्हा तुम हमारी बातो को नजर अंदाज नही करोगे में 15 मिनट में तुम्हारे अधिकारियों से मोहब्बत की बाते करनी है इस प्रकार से अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अपनी पहचान छुपाकर आफिस के नम्बर पर मैसेज किए। आवेदक ने इसी घटना के संबंध में थाना क्राईम ब्रांच भोपाल मे आवेदन दिया गया । उक्त आवेदन को वरिष्ठ अधिकारियो के द्वारा गंभीरता से लेते हूये शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।थाना क्राईम ब्रांच की टेक्निकल टीम के द्वारा धमकी मे प्रयोग लाये गये मोबाईल नम्बर की जानकारी हेतु लगाया गया । जिनके द्वारा लगातार प्रयास करते हूये सिम कैफ धारक शुभम पिता जगदीश निवासी ग्राम तलेन जिला राजगढ के अन्य नम्बर के आधार पर उसकी तलाश की जो तलाश मे सिम धारक के नये नम्बर प्राप्त हुये जिस संबंध मे कैफ धारक शुभम पिता जगदीश की तलाश करने पर वह अपने घर चुनाभट्टी स्थित झुग्गी के पास मिला जिससे अपराध मे पूछताछ करने पर बताया कि उपरोक्त मोबाईल व सिम उसके मौसी के लडके आनन्द बिलवान पिता मुकेश बिलवान निवासी कालापीपल शाजापुर के पास होना बताया तथा वर्तमान मे वह भोपाल मे ही । प्राप्त सूचना पर आनंद बिलवान को कोलार चौराहे गेस्ट हाउस के पास से गिरफ्तार किया जिससे अपराध के संबंध मे पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपना जुर्म करना स्वीकार किया ।आरोपी से पुछताछ जारी है । तरीका वारदात- थाना कालापीपल जिला शाजापुर का रहने वाला आरोपी पटवारी एंव पुलिस कांस्टेबल व जेल प्रहरी की परीक्षा में हो चुका हैं कई बार असफल जो कि माइक्रो फायनेंस कंपनी में प्रायवेट जॉब करता था व अधिक से अधिक पैसे कमाने व फेमस होने के नये-नये तरीके खोजता रहता था । बैठे-बैठे दिमाग में आया कि ट्रेन को बम से उड़ाने की झूठी खबर फैलाकर में फेमस हो जाउंगा । इसलिए आरोपी ने अपने मौसी के लडके का मोबाईल लेकर उसके नम्बर से व्हाट्सएप इंस्टॉल कर के दि ट्रेन को बम से उड़ाने की झूठी धमकी । जप्त साम्रगी- घटना में प्रयुक्त दो मोबाईल फोन व तीन सिम कार्ड । आरोपी की जानकारी- क्र नामपताआरोपी शैक्षणिकयोग्यता आपराधिकरिकार्ड व्यवसाय 01 आनंद बिलवान पिता मुकेश बिलवान उम्र-23 साल नि. वार्ड न.18 ग्राम चाकरोद थाना कालापीपल जिला शाजापुर बीए आइसीजेएस से अप्राप्त माइक्रो फायनेंस कंपनी में प्रायवेट जॉब सराहनीयभूमिका - थानाप्रभारी अशोक कुमार मरावी, उनि मितेश मुजाल्दे ,उनि कलीमउद्दीन ,उनि गोविन्द यादव ,सउनि पुष्पेन्द्र यादवआर.सलमान,आर.अजीत ,आर.अमन पटेल,म.आर.मनीषा राठौर एंव टेक्निकल टीम क्राइम ब्रांच

पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा का एक दिवसीय दौरा....

छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा एक दिवसीय वाड्रफनगर क्षेत्र का दौरा....

बलरामपुर

आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा का एकदिवसीय दौरे पर पंडरी,,, गिरवानी पहुंचे वही सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकालकर उनका स्वागत किया... वही पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा ने बताया कि इस बार हम 400 से अधिक सीटें जीत रहे हैं वहीं कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए बताए की कांग्रेस 70सालों कोई भी काम नहीं किया भाजपा की सरकार जब से केंद्र में बनी है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक योजनाएं संचालित किए हर योजनाओं का लाभ हर परिवार तक पहुंचने का कार्य किए है...इस बार जनता पूरा आशिर्वाद मिल रहा है....

महिलाओं को जागरुकता की दी जानकारी

उज्जैन

घिनोदा में आंगनवाड़ी के द्वारा माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जागरूकता प्रदान करने को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ! कार्यक्रम में गांव की 11 से 18 वर्ष की किशोरी बालिका एवं महिलाओं को एकत्रित करते हुए माहवारी के बारे चर्चा करते हुए जानकारी दी गई ! इस दौरान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की कार्य योजना, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, पोषण प्रबंधन, एनीमिया प्रबंधन, आदि बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उनके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई ! साथ ही इस जागरूकता को घर घर तक पहचाने की बात भी कही !

विश्वास ने चिंतामण बायपास पुल से शिप्रा नदी में कूदकर आत्महत्या की

सुसाइड नोट में 3 पुलिसकर्मियों के नाम लिखे, परिजन आक्रोशित

उज्जैन-एक पीड़ित युवक ने चिंतामण बायपास शांति पैलेस के पीछे स्थित पुल से शिप्रा नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। नीलगंगा पुलिस ने बताया कि विश्वास पिता भगवानदास मालानी 30 वर्ष निवासी तिरुपति प्लेटिनम सुबह शांति पैलेस के पीछे चिंतामण बायपास ब्रिज पर पहुंचा और यहां से उसने शिप्रा नदी में छलांग लगा दी। लोगों ने युवक को नदी में कूदते देखा जिसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तैराकों की मदद से नदी से शव निकाला और पीएम के लिये जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विश्वास ने आत्महत्या के पूर्व सुसाइड नोट लिखा था जिसमें तीन पुलिसकर्मियों द्वारा प्रताड़ित किये जाने का उल्लेख है। पुलिस ने सुसाइड नोट कब्जे में ले लिया है। नीलगंगा सीएसपी व टीआई द्वारा मृतक के परिजनों से चर्चा की जा रही थी। विश्वास द्वारा आत्महत्या किये जाने से परिजन गमगीन व आक्रोशित थे।पहले मैसेज कर सूचना दी थी विश्वास के परिजनों ने बताया कि वह सुबह अपने भाई को छोडने गया था और करीब 8.30 बजे उसने परिजन को मोबाइल पर मैसेज किया था

कि मैं नदी में डूबने जा रहा हूं। इस पर विश्वास के परिजनों ने नीलगंगा थाने पर सूचना दी और स्वयं भी पहुंचे थे। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस को सूचना देने के बाद भी पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया और दो घंटे बाद उसकी मृत्यु की सूचना मिली।

6 जुन से 9 जुन तक होगा झाबुआ उर्स 2024 का आयोजन

कपासन व मेरठ के कव्वाल पेश करेंगे कलाम

झाबुआ- हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतिक शहंशाह ए झाबुआ हजरत चांद शाह वली गुलाब शाह वली के झाबुआ उर्स 2024 का आयोजन परंपरागत रूप से 6 जुन 2024 से 9 जुन 2024 तक किया जा रहा है। जिला सदर जाकिर हुसैन,उर्स कमेटी के सचिव सईदु बाबा व प्रवक्ता इरशाद कुरैशी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया की उर्स का आगाज 6 जुन बरोज जुमेरात को कुरान ख्वानी से किया जाएगा सुबह 8 बजे जमात खाना हुसैनी चौक जामा मस्जिद व नुरी मस्जिद में कुरान ख्वानी होगी, शाम 4 बजे हुसैनी चौक से चादर शरीफ का जुलुस निकाला जाएगा जो आस्ताने पर पहुंचेगा जहां चादर शरीफ पेश की जाएगी। 7 जुन को मिलाद शरीफ का आयोजन किया जाएगा जिसमें झाबुआ शहर के उलेमा बयान फरमाएगे। 8 जुन को रात्रि 9 बजे से महफ़िल ए सिमआ कव्वाली का आयोजन होगा जिसमें देश के मशहूर कव्वाल शब्बीर सदाकत साबरी कपासन व रेहान अली मेरठ अपने कलाम पेश करेगे। उर्स के आखरी रोज 9 जुन को सुबह 10 बजे महफ़िल ए रंग का प्रोग्राम होगा व दोपहर 2 बजे से मोहम्मद सलीम कुक्षी वालों की जानिब से लंगर ए आम का आयोजन होगा जिसके साथ ही झाबुआ उर्स 2024 का समापन हो जाएगा। गोरतलब हे की यह उर्स पिछले कई सालों से हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रतिक बना हुआ है, उर्स के दौरान बाबा की दरगाह पर हिंदू मुस्लिम एकता के अनूठी मिसाल देखने को मिलती हैं यहां बड़ी संख्या में सुफी,संतो के साथ ही हिन्दू मुस्लिम श्रद्धालु पहुंचते हैं।

करोडो की बेसकीमती भूमि रिकॉर्ड से गायब
उमरिया समेत घुनघुटी में दर्ज भूमि की हो जाँच

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
उमरिया, अब शांत प्रिय जिले में भी सक्रिय भूमाफिया का तगड़ा नेटवर्क राजस्व विभाग के ईमानदार अफसरों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रहा है जिसको लेकर आम नागरिको में भी विषंगतिया पनपना शुरू होना लाजिमी है दरअसल लगातार जिले में पैठ बना चुके भूमाफिया का सिंडिकेट बिना डायवर्सन, कृषि भूमि में प्लाटिंग एवं अवैध कालोनियो को विकसित करने तक ही सीमित नहीं इनका तगड़ा मैनेजमेंट अब सरकारी जमीन को बेचने पर उतारू हैं। जिसमे भूमाफिया और दलाल की शासकीय वेतन पर आश्रित पटवारी के साथ सांठगांठ कर जिले की बेशकीमती हड़पने में जुटे है यह शातिर जाली दस्तावेजों के आधार पर दिन दहाड़े सरकारी जमीन को अपना बताकर बेच देते हैं और मज़ाल है किसी को कानोंकान हवा लग जाये। ठीक ऐसे ही एक मामले में के आधा दर्जन से अधिक मामले सम्बंधित अफसरों की जानकारी में भी सामने आ चुके हैं लेकिन आज तक एक भी भूमाफिया पर कार्रवाई नहीं की गई। हालही का मामला ग्राम चंदिया है जहां लम्बे अर्शे से सक्रिय भूमाफिया अनुपम चतुर्वेदी ने नौरोजाबाद में तंडाव मचाकर रखा हुआ है इनसे त्रस्त लोगो की परेशानिया कम होने का नाम ही नहीं ले रही है।

सरकारी भूमि बेच दी.... हम आपको बता दे कि मामला वर्ष 2014 का है। हरिजन महिला अनार बाई पति रमेश चौधरी उम्र 55 साल निवासी वार्ड नंबर 09 नौरोजाबाद को सात लाख 56 हजार रुपए में वन विभाग की जमीन बेच दी। जिले के चंदिया वार्ड नंबर 5 निवासी अनुपम चतुर्वेदी पिता हरिहर प्रसाद चतुर्वेदी ने दलाल अनिल कुमार सोनी पिता स्व.काशी प्रसाद सोनी निवासी ग्राम खरहटा बड़वार जिला कटनी व राजस्व अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर आराजी खसरा नंबर 185 /2 एवं 186/2 कुल रकवा 2.023 हेक्टेयर का फर्जी भूस्वामी एवं पट्टेदार होना प्रतिरूपित कर हरिजन महिला को सात लाख 56 हजार रुपए में जमीन बेच दी है। और खुद को बताया चञ्ज भूमि का पंजीकृत भूमि स्वामी होने का दावा कर रहा है।

गाँधी का फेरा, शासकीय भूमि पर डेरा.... उमरिया जिले के बहुचर्चित एवं चंदिया के अनुपम चतुर्वेदी एण्ड पार्टी ने राजस्व अधिकारियों से सांठगांठ कर कूटरचित दस्तावेज तैयार करवाए, जिसमें स्वयं को भूस्वामी के रूप में दर्ज कराया। जबकि हकीकत तो यह थी यह भूमि सरकारी रिकॉर्ड में शासकीय भूमि दर्ज है। इतना ही नहीं आरोपियों ने राजस्व अधिकारियों से सांठगांठ कर गाँधी के फेरे में बिक चुकी आराजी का विधिवत सीमांकन नक्शा तर्मीम एवं नामांतरण भी अनार बाई चौधरी के नाम भू अधिकार ऋण पुस्तिका भी राजस्व अमले से मिलकर बनवा दी। इस धोखाधड़ी में अनुपम चतुर्वेदी, अनिल सोनी सहित राजस्व अधिकारियों ने महती भूमिका निभाई है। इन धोखेबाज लोगों पर आज तक पुलिस और अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की।

घुनघुटी की शासकीय भूमि में लग रही सेंध... बांधवगढ़ से सटा इलाका कभी बांस का जंगल के नाम से प्रसिद्ध हुआ करता था बाघ यहाँ विचरण करते हुए देखे जाते थे, लेकिन आज घुनघुटी में धीरे धीरे शासकीय और फारेस्ट की भूमि योजनाबद्ध सुनियोजित तरीके से राजस्व रिकार्ड से गुम होती जा रही है इसके कारण इस जंगल में आबादी का बढ़ता दबाव राष्ट्रीय वन्य प्राणी और इंसानी जान के बीच हुए संघर्ष की घटनाक्रम सुनने में आती है, संबंधित विभागीय अमला इस बात को नज़र अंदाज़ कर रह है, सूत्रों के हवाले से खबर है की घुनघुटी के चंद मुट्ठी भर लोगो का हर प्राइम लोकेशन में कब्ज़ा है अथवा दस्तावेज निर्मित कर चोर से साहूकार बने बैठे है, जिन भूमि पर पंजीकृत भूस्वामी है उसका निर्धारित रकबा कही बढाकर रखा हुआ है कही पुरे सरकारी भूमि में कब्ज़ा किया हुआ है, जिसमे 6, 7, 9, 23, 26, 577, 344, 345/701, 367, 350, 499, 502, 508, 509 शासकीय 584, 571, 572, 568, 569, 583 इत्यादि भूमि में विसंगतियों की खबर है खबर यह भी है की दस्तावेजी गड़बड़ियों से लेकर भूमि के रकबा में भी बड़ा हेरफेर किया गया है जिले के सुधि जानो ने कलेक्टर उमरिया एवं कमिश्नर शहडोल से रिकॉर्ड के जरिये धरातल में उक्त भूमि की नब्ज टटोलनी लेनी चाहिए, उक्त खसरा नम्बर में काबिज लोगो के पास यह भूमि कैसे इनके नाम अंतरित हो गई की जाँच आवश्यक है यह भी एक बड़े राजस्व के निचले अफसर की मिलीभगत भूमाफिया का सिंडिकेट मजबूत करने में भूमिका निभा रही है शासकीय भूमि समेत वन भूमि में भी लोगो ने अधिपत्य जमा कर रखा हुआ है जिसकी विधिवत कलेक्टर उमरिया को करनी चाहिए वरना भूमाफिया का दिनों दिन बढ़ता दायरा बेसकीमती शासकीय भूमि हड़प लेगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा

निष्पक्षता एवं सतर्कता के साथ संपन्न कराएं मतगणना

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
उमरिया । लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए शहडोल संसदीय क्षेत्र अजजा 12 अंतर्गत उमरिया जिले कि दोनो विधानभा क्षेत्र 89 बांधवगढ एवं 90 मानपुर के मतगणना सुपरवाईजर, माइक्रो आब्जर्वर तथा मतगणना सहायकों के प्रथम प्रशिक्षण को कन्या षिक्षा परिसर में संबोधित करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि मतगणना का कार्य निष्पक्षता एवं सतर्कता के साथ संपन्न कराएं। मतगणना के संबंध में आयोग व्दारा जारी निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाए । मतगणना स्थल पर मतगणना कार्य हेतु जिन लोगो की डियुटी लगाई गई है वे सभी समय पर पहुंचे तथा मतगणना कक्ष में प्रवेश के पश्चात अनुशासन व्यवस्थाा बनाकर रखें। आपने कहा कि मतदान के दौरान जिले की टीम ने बेहतर कार्य किया है इसके लिए वे बधाई के पात्र है । मतगणना में भी उत्कृष्ट सेवाएं देकर व्यवधान रहित मतगणना संपन्न कराएं। इस अवसर पर एआरओ बांधवगढ विधानसभा क्षेत्र रीता डेहरिया, नोडल अधिकारी प्रशिक्षण डॉक्टर अभय पांडेय, मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा एवं संजय पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। एआरओ बांधवगढ विधानसभा क्षेत्र रीता डेहरिया ने कहा कि मतगणना कार्य मे लगे सभी अधिकारी कर्मचारी अपने संशय प्रशिक्षण के दौरान ही दूर कर लें। आपने कहा कि भ्रम की स्थिति में गलत निर्णय नही लें बल्कि जब भी ऐसी स्थिति आये तो सक्षम अधिकारी तक वस्तु स्थिति पहुंचाकर निराकरण करें।

प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनरों व्दारा कानून व्यवस्था, मतगणना केन्द्रोपर अवस्थापना और सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना अधिकारी और मतगणना अभिकर्ता, डाक मतपत्रों की गणना, मतगणना के पहले सीयू की सीलिंग को हटाना, परिणाम ज्ञात लगाना, व्हीव्हीपीएटी मत पर्चियों की गणना, सूक्ष्म पर्यवेक्षक की भूमिका, परिणाम की घोषणा, ईव्हीएम और अन्य दस्तावेजो की सीलिंग तथा मतगणना की कार्यवाही विवरण और सीक्रेट सील की वापसी के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

29 तक पाली, मानपुर एवं करकेली में लगेंगे आधार कैंप, कैंपो के लिए नोडल अधिकारियों नियुक्त

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
उमरिया। जिले के करकेली विकासखण्ड, मानपुर विकासखण्ड तथा पाली विकासखण्ड में आधार कैंपो का आयोजन 27 मई से प्रारंभ हो गया है । यह कैंप 29 मई तक जारी रहेगा । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले आधार कैंप के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ती की है। नोडल अधिकारी ग्राम पंचायत में आधार आपरेटरो की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए जन मन योजना से संबंधित समस्त हितग्राहियों के ई केवाईसी, आयुष्मान कार्ड, आहार अनुदान मे आधार की समस्याओं का निराकरण करायेगे।

अपर सचिव भारत निर्वाचन आयोग ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी समेत कई अन्य अधिकारी उपस्थित

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
उमरिया। अपर सचिव संदीप कुमार भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा निर्वाचन शहडोल संसदीय क्षेत्र हेतु उमरिया जिले के दो विधानसभा क्षेत्र बांधवगढ एवं मानपुर विधानसभा क्षेत्र हेतु शासकीय पालीटेक्निक में बनाये गये स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल, मीडिया कक्ष, कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दोनो विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष में की जा रही तैयारियों, कन्ट्रोल रूम तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के समय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव गोविंद मरकाम, एस डी एम बांधवगढ एवं एआर ओ रीता डेहरिया, एस डी एम मानपुर एवं एआर ओ रीता कमलेश नीरज, निर्वाचन सुपरवाईजर हरीशंकर झारिया, डीपीसी सुशील मिश्रा, तथा लोक निर्माण विभाग का अमला उपस्थित था।

जिला कलेक्टर के आदेश पर एक्शन कर बकाया, कंचन माइंस से तीन वाहन जप्त

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशानुसार जिला परिवहन अधिकारी व्दारा कंचन माइंस नौरोज़ाबाद से 3 वाहन जप्त किया गया जिसमे 2 वाहन मौके पर बिना दस्तावेज एवं मध्यप्रदेश का यान कर जमा न किया जाना पाया गया एवं 1 वाहन बिना पंजीकृत व मौके पर कोई दस्तावेज नही पाया गया। तीनो वाहनो को जप्त कर सुरक्षार्थ थाना नौरोज़ाबाद मे खड़ा किया गया । विदित हो की कंचन माइंस मे सिद्धेश्वर इंफ्रा, बघेल इंफ्रा एवं साई इंफ्रा 3 कम्पनिया कार्यरत है जिनके दर्जनों वाहनो पर मध्य-प्रदेश राज्य का कर बकाया है एवं दस्तावेज अपूर्ण है जिसमे निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी।

एनडीपीसी एक्ट के आरोपी छोटू उर्फ शीतला प्रसाद पांडे

10 हजार रूपये का ईनाम घोषित

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ उमरिया । पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने थाना मानपुर जिला उमरिया के अपराध क्रमांक 22/2017 धारा एनडीपीसी एक्ट के आरोपी छोटू उर्फ शीतला प्रसाद पांडे पिता ब्रज किशोर पाण्डेय उम्र 30 साल निवासी रहट थाना चोरहट जिला रीवा मप्र पर 10 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है। ईनाम वितरण के संबंध में पुलिस अधीक्षक जिला उमरिया का अंतिम निर्णय मान्य होगा।

अब तक 161161.68 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ उमरिया। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य 31 मई 2024 तक तक पंजीकृत किसानों से किया जाना है। जिले मे 35 गेहूं खरीदी केन्द्रों के माध्यम से अब तक 4973 किसानों से 161161.68 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई है । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के गेहूं विक्रय के इच्छुक पंजीकृत सभी किसान भाईयों से अपेक्षा हैं कि समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन योजना का अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने हेतु शासन की नियत अवधि 31 मई 2024 तक अपनी उपज गेहू स्लॉट बुकिंग कर नजदीकी गेहूं उपार्जन केन्द्र पर विक्रय कर शासन की समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय योजना का अधिक से अधिक लाभ अर्जित कर सकते है।

अक्षय बम और उसके पिता को हाईकोर्ट से मिल गई जमानत

लोकसभा चुनाव के चर्चित कांग्रेस प्रत्याशी जो ऐन वक्त पर भाजपा में टीवी शामिल हो गए उनको आज हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई। एक पुराने जमीन विवाद में ट्रायल कोर्ट ने उनके खिलाफ धारा 307 बढ़ाने के आदेश दिए थे और सुनवाई के दौरान गैर हाजिर रहने पर गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो गया था। इस मामले में उनके पिता कांतिलाल बम और अन्य आरोपियों को 10 मई को पेश होने के आदेश दिए थे। पिछले हफ्ते भी इस प्रकरण की हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी, जिसके बाद आज लगी अगली तारीख पर सुनवाई में अक्षय बम और उनके पिता को अग्रिम जमानत का लाभ मिल गया। यह भी उल्लेखनीय है कि गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद पुलिस अक्षय बम को गिरफ्तार नहीं कर सकी थी, जिसको लेकर कांग्रेस ने खासा विरोध भी किया और कांग्रेस ने अपनी ओर से ईनाम घोषित करने के साथ बम को पकडने़ के दस्ते भी गठित किए और शहर में कई जगह उसका पता देने वालों को ईनाम देने की घोषणा के पोस्टर भी चस्पा किए। कांग्रेस ने अक्षय बम को लोकसभा का उम्मीदवार घोषित किया और उसने नाम वापसी के अंतिम दिन अपना फार्म वापस लेकर कांग्रेस को संकट में डाल दिया और इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का कोई उम्मीदवार ही मैदान में नहीं रहा, जिसके चलते नोटा को वोट देने की अपील कांग्रेसियों को करना पड़ी।

दो पहिया वाहनों से अंग्रेजी व देशी शराब परिवहन करते अवैध शराब सहित तीन आरोपीयें को पकडने में चौकी नयागॉव थाना जावद पुलिस को मिली सफलता

नीमच प्रदेश व्यापी नशाविरोधी अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय, जिला नीमच श्री अंकित जायसवाल, व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री नवलसिंह सिसौदिया एवं अअपु जावद सुश्री निलेश्वरी डाबर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जावद निरीक्षक श्री जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में चौकी प्रभारी नयागॉव रामपालसिंह राठौर की टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी एवं नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत अवैध तीन प्लास्टिक के कट्टों में कुल 336 क्वार्टर अँग्रेजी व देशी शराब व एक सिल्वर कलर का कोमाकी कम्पनी का ई-स्कूटर तथा बजाज कम्पनी की सीटी-100 मोटर सायकल क्रमांक आरजे 09 बीएस-4067 सहित तीन आरोपीयों को पकडने में सफलता प्राप्त की है दिनांक 28.05.2024 को मुखबिर सूचना पर अवैध शराब की धरपकड व नाकाबंदी हेतु चैनपुरा रोड रेल्वे फाटक के पास नयागॉव पर दो व्यक्ति ग्राम कोटडी कलॉ तहसील निम्बाहेडा से नयागॉव रेल्वे पटरी के पास से एक लाल कलर की बजाज कम्पनी की सीटी-100 मोटर सायकल क्रमांक आरजे 09 बीएस-4067 से आ रहा है जिसके आगे आगे पायलेटिंग करते हुए एक सिल्वर कलर का कोमाकी कम्पनी का ई-स्कूटर भी चल रहा है बजाज कम्पनी मोटर सायकल पर दो व्यक्ति जिनके पास तीन प्लास्टिक के कट्टे रखे हुए है जिसमें राजस्थान की अवैध शराब है जो निम्बाहेडा राजस्थान से नयागॉव तरफ आने वाले है को आते दिखे जिनको रोका तीनों प्लास्टिक के कट्टों में कुल 336 क्वार्टर कुल 60 लीटर 480 मीली अँग्रेजी व देशी शराब व एक लाल कलर की बजाज कम्पनी की सीटी-100 मोटर सायकल क्रमांक आरजे 09 बीएस-4067 व एक सिल्वर कलर का कोमाकी कम्पनी का ई-स्कूटर जप्त कर आरोपी 1 सुनिल प्रजापत पिता सुरेश उम्र 22 वर्ष नि. ग्राम कोटडी कलॉ तह0 निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ (राज0), 2 अरूण पिता औंकारलाल प्रजापत उम्र 28 वर्ष नि. ग्राम कोटडी कलॉ तह0 निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ (राज0), 3. चालक श्रवण मीणा पिता प्रेमचन्द उम्र 20 वर्ष नि. ग्राम कोटडी कलॉ तह0 निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ (राज0) का कृत्य धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत दण्डनीय पाया जाने से विधिवत् गिरफतार किया गया व अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है प्रकरण में अनुसंधान जारी है सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में पुलिस टीम नयागॉव का सराहनीय योगदान रहा

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मिश्र ने उपजेल बागली का औचक किया निरीक्षण

देवास। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली (नालसा) के कार्यपालक अध्यक्ष द्वारा जिले में स्थापित समस्त जेलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट चाही गई है। जिसके पालन में मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर (सालसा) के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास श्री मधुसुदन मिश्र द्वारा उपजेल बागली का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय सुश्री सरिता वाधवानी, जिला न्यायाधीश बागली श्री चंद्रकिशोर बारपेटे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अभिलाषा एन. मवार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. रविकांत सोलंकी, व्यवहार न्यायाधीश श्री राकेश कुमार जाटव एवं अन्य न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। जेल निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश श्री मिश्र ने प्रत्येक बैरक में जाकर बंदियों को दी जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया तथा जेलबंदियों से जेल प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं जैसे-भोजन, पेयजल, वस्त्र, मनोरंजन के साधन एवं साफ-सफाई के बारे में चर्चा की। इसके अतिरिक्त जेलबंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता के माध्यम से अधिवक्ता उपलब्ध कराने की जानकारी भी दी।

नियम विरोध निजी स्कूलों की मनमानी फीस बढ़ाने के मामले में जबलपुर की तर्ज़ पर कार्रवाई हो

अभिभावक संघ दमोह ने जबलपुर प्रशासन की कार्यवाही को बताया जनहित में

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, अभिभावक संघ दमोह के जिला अध्यक्ष पंडित मनीष तिवारी ने निजी शैक्षणिक संस्थानों की मनमानी फीस बढ़ोतरी पर जबलपुर प्रशासन की कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस तरह स्कूलों में किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य शिक्षण सामग्री के नाम पर अभिभावकों से मनमानी वसूली करने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ सोमवार को मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी कार्रवाई की गई जिसमें जबलपुर के 11 प्रतिष्ठित स्कूलों से मनमाने ढ़ंग से वसूली गई 81 करोड़ रुपए से ज्यादा की फीस 21 हजार विद्यार्थियों को वापस कराई गई है जो फैसला स्वागत योग्य है और इस तरह की कारवाई का इंतजार दमोह में भी बेसब्री से है। अभिभावक संघ जिला दमोह के महामंत्री मोंटी रायकवार ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि दमोह में नहीं बल्कि पूरे देश में शिक्षा को

व्यापार बना लिया गया है। जिस स्कूल में छात्र और छात्राएं पढ़ती है उसी स्कूल से किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य शैक्षणिक सामग्री लेने को जो बाध्य किया जाता है। जो निंदनीय है ऐसी शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता शीघ्र ही निरस्त कर देना चाहिए साथ ही फीस बढ़ोतरी को लेकर जिला स्तर पर जो कमेटी बनती है उसके समक्ष फीस बढ़ोतरी के लिए आवेदन करना पड़ता है। और जब जिला स्तरीय कमेटी अनुमति देती है तब फीस बढ़ोतरी की जाती है लेकिन दमोह में जितने भी निजी शैक्षणिक संस्थान है। उनमें नियम को दरकिनार कर फीस बढ़ाई गई है ऐसे में दमोह जिला प्रशासन को जबलपुर की तर्ज़ पर दमोह के निजी शैक्षणिक संस्थानों पर कड़ी कार्रवाई करनी होगी साथी जबलपुर में जिस तरह अभिभावकों की फीस वापस करवाई गई और निजी शैक्षणिक संस्थानों पर भारी भरकम जुर्माना लगाया गया उसी कारवाई का इंतजार दमोह वासियों को है।

दमोह में निजी शैक्षणिक संस्थानों पर कार्रवाई करने वालों में प्रमुख रूप से पार्षद यशपाल ठाकुर, पार्षद विजय जैन, पार्षद मनीष शर्मा,सरपंच जयपाल यादव, पार्षद गणेश जाटव, धीरज घारू, अनुपम सोनी,प्रशांत जडिया, अभिभावक संघ के महामंत्री मनोज देवलिया, जिला उपाध्यक्ष विशाल शिवहरे, प्रमोद विश्वकर्मा,अमरदीप जैन, अभिभावक संघ के नगर अध्यक्ष पंकज जडिया,नगर महामंत्री पप्पू असाटी सहित प्रमुख पदाधिकारियों ने दमोह की निजी शैक्षणिक संस्थानों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई है।

पुलिस ने अमरपुर नैन मार्ग से मुठभेड़ के बाद तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी किया गया एक ट्रैक्टर किया बरामद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद कोतवाली पुलिस ने अमरपुर नैन मार्ग से मुठभेड़ के बाद तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से जनपद शामली क्षेत्र से चोरी किया गया एक ट्रैक्टर बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार के नेतृत्व में चंदपुर कायस्थ तिराहे पर पुलिस टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मंगलौर की ओर से तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर को रोकने के लिए पुलिस ने इशारा किया। इस बीच ट्रैक्टर पर बैठे एक व्यक्ति ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसमें कई पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने फरार हो रहे तीन लोगों को अमरपुर नैन गांव के मोड पर घेरकर दबोच लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से एक ट्रैक्टर, एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और दो छुरी बरामद की हैं। पुलिस पूछताछ में चोरों ने बताया कि उन्होंने यह ट्रैक्टर 25 मई की रात्रि जनपद शामली क्षेत्र के एक ईंट भट्ठे से चोरी किया था। जिसे वह बेचने के लिए जा रहे थे। सीओ देवबंद अशोक सिसौदिया ने बताया कि गिरफ्तार चोरों में शिवम पुत्र राजीव, विशु पुत्र मनोज निवासी खेड़ा जट्ट थाना मंगलौर जिला हरिद्वार (उत्तराखंड) और देवबंद कोतवाली क्षेत्र के दुगचाडी गांव निवासी इंद्रजीत पुत्र नाथीराम शामिल हैं। उन्होंने बताया कि तीनों के खिलाफ देवबंद, मंगलौर और शामली में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

शाजापुर में मतगणना स्थल के आसपास 04 जून को धारा 144 के तहत प्रतिबंध

100 मीटर की परिधि में 05 या 05 से अधिक व्यक्ति का एकत्रित होना और आवाजाही करना मना

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, लोकसभा निर्वाचन-2024 के संदर्भ में 04 जून 2024 को जिला मुख्यालय स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय शाजापुर में होने वाली मतगणना के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा व्यवस्थित रूप से मतगणना कराने के लिए जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर सुश्री ऋचु बाफना ने भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रतिबंधित आदेश पारित किये हैं। प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार 04 जून को प्रातः 6.00 बजे से मतगणना समाप्ति तक शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शाजापुर परिसर के 100 मीटर तक के क्षेत्र में वाहनों (शासकीय वाहनों को छोड़ कर) के प्रवेश को

प्रतिबंधित करते हुये निषेधित क्षेत्र घोषित किया गया है। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शाजापुर परिसर के 100 मीटर की परिधि में 05 या 05 से अधिक व्यक्ति क्षेत्र में एक साथ न तो एकत्रित होगें और न ही आवाजाही करेंगे। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शाजापुर परिसर में किसी भी व्यक्ति को बिना अनुमति प्रतिबंधित सामान जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट मोबाईल फोन, स्मार्ट घड़ियाँ, ब्लूटूथ डिवाइस, हेड फोन, पेन/बटनहोल कैमरा, स्कैनर, कैलकुलेटर, स्टोरेज डिवाइस आदि को ले जाने की अनुमति नहीं होगी। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शाजापुर परिसर या मतगणना भवन में धूम्रपान (बीडी, सिगरेट एवं पान तम्बाकू), माचिस, लाईटर, ज्वलनशील पदार्थ जैसे पेट्रोल, डीजल, मिट्टी का तेल, लकड़ी, कागज, लिक्विड पेट्रोलियम गैस इत्यादि ले जाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। राजनैतिक दल एवं विजय अभ्यर्थी नियमानुसार अनुमति प्राप्त कर ही विजय जुलूस निकाल सकेंगे। मतगणना तिथि 04 जून 2024 को आबकारी विभाग द्वारा शुष्क दिवस घोषित किया गया है। उक्त आदेशों का उल्लंघन भारतीय दण्ड विधान की धारा 188 व भारतीय दण्ड संहिता 1860 एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135 तथा के प्रावधानों के तहत् दण्डनीय अपराध होगा। विधिक प्रावधानों के उल्लंघन पर दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकेगी।

भीषण गर्मी के चलते पॉवर कारपोरेशन के अधिकारियों ने प्याऊ लगाकर किया ठंडे शरबत का वितरण

ट्रांसफार्मर्स पर लगाए पंखे और कूलर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, भीषण गर्मी के चलते पॉवर कारपोरेशन के अधिकारियों ने प्याऊ लगाकर ठंडे शरबत का वितरण कराने का कार्य किया है। इसी के साथ पिछले कई दिनों से पारा 40 के पार होने के चलते बिजली आपूर्ति गड़बड़ाने से पॉवर कारपोरेशन ने अब सभी ट्रांसफार्मरों और बिजली घर में बड़े ट्रांसफार्मस पर पंखे और कूलर लगाने शुरू कर दिए हैं। भीषण गर्मी के चलते देवबंद नगर में लोग भी जरूरी कार्यो से ही अपने-अपने घरों से बाहर निकल रहे हैं। रोजाना सुबह से ही पड रही जबरदस्त गर्मी ने लोगो का जीना मुहाल कर रखा हैं। जिसके चलते बाजारों से लोगो की भीड़ गायब है। इतना ही नहीं ट्रांसफार्मस के ओवरलोड होने के चलते लगातार ट्रिपिंग होने से बिजली आपूर्ति भी अब पूरी तरह से पटरी से उतरने लगी है। पॉवर कारपोरेशन कर्मियों ने रेलवे रोड स्थित बिजली कार्यालय के बाहर प्याऊ लगाकर ठंडे शर्बत का वितरण किया है। जेई शशिकांत पासवान और विजय शर्मा ने बताया कि बिजलीघर की सभी मशीने ओवरलोड चल रही हैं। उन्होंने लोगों से ट्रिपिंग से बचने का आह्वान करते हुए कहा कि वह केवल उतनी बिजली उपयोग करें जितनी जरूरत हो। इस दौरान टीजी-2 मो. जीशान, हंसराज,नीतिश वत्स, राहुल शर्मा, अमन चौधरी, नाहिद, अभिनव वत्स, अर्पित, माजिद, सोनू और लक्की आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर

दो घायल, अस्पताल में भर्ती

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के नकुड़ थाना क्षेत्र में सहारनपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार मारुती स्विफ्ट कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनो युवक दानिश राव और समीर घायल हो गये और खेत में जा गिरे। जिसके कारण उन्हें गंभीर चोटे आई है। दोनो घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस दौरान लोगो की भीड इकट्ठी हो गई।

मतगणना में व्यवस्था को लेकर इंडिया गठबंधन प्रत्याशी द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ बनाई गई रूपरेखा

काउंटिंग एजेंट और एआरओ की संयुक्त कार्यशाला में मतगणना को लेकर विस्तार पूर्वक जानकारियां साझा की गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, 4 जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना को लेकर सभी दलों ने अपने-अपने काउंटिंग एजेंट बनाकर मतगणना को लेकर समझाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज इंडिया गठबंधन प्रत्याशी इमरान मसूद ने मतगणना को लेकर अपने सभी काउंटिंग एजेंट और एआरओ की एक संयुक्त मीटिंग बुलाई। जिसमें चुनाव संबंधित मतगणना को लेकर बड़े विस्तार पूर्वक सभी मतगणना एजेंटों को विपिन जैन द्वारा कार्यशाला दी गई। मतगणना के समय बारीक से बारीक जानकारी का अध्ययन करवाया गया। इस अवसर पर इमरान मसूद ने सभी काउंटिंग एजेंटों से कहा हमें चुनाव आयोग की गाइडलाइन का पालन करते हुए मतगणना करानी है। मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से होनी चाहिए और नियमों के अनुसार होनी चाहिए। इस अवसर पर सपा विधायक (एमएलसी) शाहनवाज खान ने विस्तार पूर्वक सभी मतगणना एजेंटों को चुनावी रूपरेखा समझाई। इस दौरान समाजवादी पार्टी विधानसभा प्रभारी/ पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने कहा की मतगणना में काउंटिंग्स एजेंटों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है और इसे हम सबको मिलकर बखूबी निभाना है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सरफराज खान, पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं सदस्य जिला पंचायत इमरान मलिक, समाजवादी पार्टी विधानसभा अध्यक्ष काशिफ अल्वी, पार्षद फहाद सलीम, पार्षद इमरान सैफी, पार्षद इजहार मंसूरी, पार्षद अहमद मालिक, अब्दुल गफूर, जिलाध्यक्ष संदीप राणा, कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष वरुण शर्मा, पूर्व सदस्य जिला पंचायत संदीप चौधरी, पूर्व चेयरमैन विवेक कांत, विनय माजरा, पूर्व मंत्री विनोद तेजियान, पूर्व मंत्री शायान मसूद, चंद्रजीत सिंह निक्कू, संदीप वर्मा, सुधांशु धनगर, आलम राणा, राजीव अग्रवाल, अमीर अहमद, विक्की पूजना, जिशान मालिक सहित चुनाव मैनेजमेंट की समस्त सक्रिय टीम शामिल हुई।

जिलाधिकारी के पास शिक्षिका की बेटी ने की थी शिकायत

दो घण्टे में 15 माह से परेशान सेवानिवृत्त सहायक अध्यापिका को जिलाधिकारी ने दिलाया उसका हक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र ने जनसुनवाई के दौरान आज कलेक्ट्रेट स्थित अपने सभाकक्ष में आई सेवानिवृत्त शिक्षिका की बेटी की शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए 02 घण्टे में शिकायत का निस्तारण कराया। सहायक अध्यापिका के पद पर पदस्थ रही शिक्षिका श्रीमती अनिता जोकि मार्च 2023 में सेवानिवृत्त हो चुकी थी। उनकी ग्रेच्युटी राशि का भुगतान अभी तक नहीं हुआ था। इस संबंध में अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन कार्यालय के द्वारा परेशान किया जा रहा था। आज अपरान्ह 1:30 बजे शिकायतकर्ता की बेटी ने जिलाधिकारी को संबंधित प्रकरण के बारे में अवगत कराया जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन से दूरभाष पर वार्ता कर 02 घण्टे में कार्य को पूर्ण कराने के सख्त निर्देश दिए। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र को अवगत कराया कि मेरा ग्रेच्युटी संबंधी कार्य हो गया है। इस कार्य के लिए उन्होंने जिलाधिकारी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डीएम की कार्यशैली की सराहना की। डा0 दिनेश चन्द्र ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि सेवानिवृत्त एवं पेंशन संबंधी प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने वालों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी।

मण्डलायुक्त ने फायर ऑडिट इवैक्यूएशन ड्रिल एवं अग्नि सुरक्षा के लिए जारी किए निर्देश

मण्डल के बढते तापमान के कारण अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के लिए 06 जून तक चलाया जाएगा विशेष अभियान :- मण्डलायुक्त डा. हृषिकेश भास्कर यशोद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, मण्डलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने वर्तमान में बढते तापमान के कारण सम्भावित अग्नि दुर्घटनाओं के दृष्टिगत मण्डल के तीनों जनपदों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी एवं सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा को निर्देश दिए कि जनपदों में संचालित रेस्टोरेन्ट, अस्पताल, नर्सिंग होम्स विशेषकर बच्चों के अस्पताल, मॉल्स, गेमिंग जोन, बैन्क्वेट हाल व भीड-भाड वाले स्थान तथा ऊँचे रिहायशी भवनों आदि में फायर ऑडिट, इवैक्यूएशन ड्रिल व अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में 06 जून तक विशेष अभियान चलाकर अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने निर्देश दिए कि फायर रिस्क के अनुसार अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए। सुरक्षित प्रवेश एवं निकासी मार्ग सुनिश्चित किया जाए। स्थल की क्षमता से अधिक व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबन्धित किया जाए। अग्नि सुरक्षा के उपायों के संबंध में विशेष प्रचार-प्रसार किया जाए तथा रेजिडेन्ट वेलफेयर एसोसिएशन्स को विशेष रूप से सतर्क व जागरूक किया जाए। इलेक्ट्रिकल सेफ्टी के दृष्टिगत विद्युत उपकरणों एवं तारों का इलेक्ट्रिकल ऑडिट कराकर विद्युत लोड के अनुसार उपकरणों एवं तारों को अधिष्ठापित कराये जाने हेतु निर्देशित किया जाए। फायर रिस्क के दृष्टिगत निरीक्षण के दौरान मानम में पाई गयी कमियों के संबंध में संचालकों को निर्देशित किया जाए।

पीएम हसीना को व्हाइट मैन से मिला बांग्लादेश काटकर स्वतंत्र क्रिश्चियन देश बनाने का ऑफर

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक सनसनीखेज खुलासा कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। उन्होंने बांग्लादेश बांग्लादेश के टुकड़े करने के मिले ऑफर के बताकर सनसनी मचा दी है। प्रधानमंत्री हसीना ने कहा कि उनकी अवामी लीग पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार हमेशा संकट में रहती है अभी और परेशानी होगी, लेकिन इस पर फिक्र करने की कोई जरूरत नहीं है। हसीना ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें 7 जनवरी के चुनावों के लिए ऑफर दिया गया था कि अगर वह अपने देश के अंदर एयरबेस बनाने की छूट देती हैं, बिना किसी परेशानी के चुनाव करवाने दिया जाएगा। शेख हसीना ने ऑफर देने देश या शख्स का नाम तो नहीं बताया लेकिन उन्होंने दावा किया कि यह प्रपोजल एक व्हाइट मैन की तरफ से आया था। साल 2009 से बांग्लादेश पर शासन कर रहीं 76 वर्षीय हसीना ने जनवरी में एकतरफा चुनाव में कुल मिलाकर पांचवां कार्यकाल हासिल किया, जिसका पूर्व प्रधान मंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने बहिष्कार किया था। बांग्लादेश के अखबार *The Daily Star* की रिपोर्ट के मुताबिक हसीना ने कहा, अगर मैं किसी खास देश को बांग्लादेश में एयरबेस बनाने की अनुमति देती, तो मुझे कोई समस्या नहीं होती। हालांकि, उन्होंने उस देश का नाम नहीं बताया, जिसने उन्हें यह पेशकश की थी, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि प्रस्ताव एक श्वेत व्यक्ति की ओर से आया था। बांग्लादेश के संस्थापक और पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना ने कहा ऐसा लगता है कि इसका लक्ष्य केवल एक ही देश है, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं जानती हूं कि वे और कहां जाने का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि उनकी अवामी लीग पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार हमेशा संकट में रहती है अभी और परेशानी होगी, लेकिन इस पर फिक्र करने की कोई जरूरत नहीं है।जब प्रस्ताव रखने वाले श्वेत व्यक्ति के लिए उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछा गया, तो प्रधान मंत्री हसीना ने कहा कि उन्होंने वही जवाब दिया, जो उन्होंने 2001 में दिया था जब अमेरिका ने भारत को देश की गैस बेचने की पेशकश की थी।शेख हसीना ने कहा, मैंने साफ तौर से कहा है कि मैं राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हूं और हमने अपना मुक्ति संग्राम जीता है, मैं देश का कोई हिस्सा किराए पर लेकर या किसी को सौंपकर सत्ता में नहीं आना चाहती, मुझे कोई अन्य देश और सत्ता की जरूरत नहीं है।

नवाज शरीफ ने 26 साल बाद माना भारत को दिया था धोखा

दुनिया के सामने खुद खोल दी *Pak* की पोल

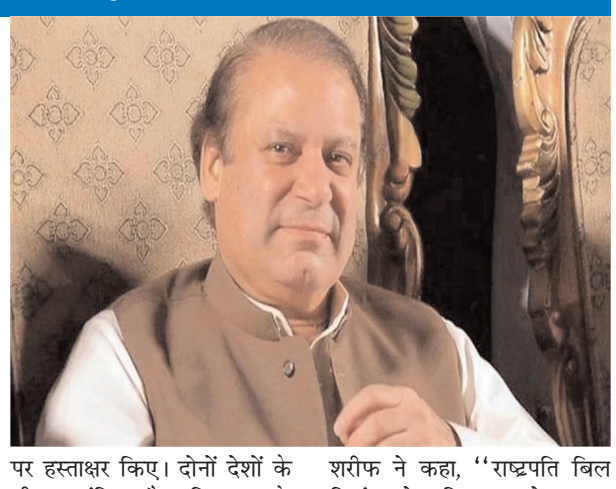

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने मंगलवार को स्वीकार किया कि इस्लामाबाद ने भारत के साथ 1999 में उनके और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा हस्ताक्षरित समझौते का 'उल्लंघन किया है। उन्होंने जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा करगिल में किए गए हमले के स्पष्ट संदर्भ में यह बात कही। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का अध्यक्ष चुने जाने के बाद पार्टी की आम परिषद को संबोधित करते हुए शरीफ ने कहा, ''28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किये। उसके बाद वाजपेयी साहब यहां आये और हमारे साथ समझौता किया। लेकिन, हमने उस समझौते का उल्लंघन किया...यह हमारी गलती थी।

शरीफ और वाजपेयी ने यहां 21 फरवरी, 1999 को लाहौर समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के बीच शांति और स्थिरता के दृष्टिकोण की बात करने वाले इस समझौते ने एक बड़ी सफलता का संकेत दिया, लेकिन कुछ महीने बाद जम्मू-कश्मीर के करगिल जिले में पाकिस्तानी घुसपैठ के कारण करगिल युद्ध हुआ।

पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण की 26वीं वर्षगांठ मनाने के बीच शरीफ ने कहा, ''राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान को परमाणु परीक्षण करने से रोकने के लिए पांच अरब अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी लेकिन मैंने इनकार कर दिया। अगर (पूर्व प्रधानमंत्री) इमरान खान जैसे व्यक्ति मेरी सीट पर होते तो उन्होंने क्लिंटन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता।

पाकिस्तान ने पहले सफल परमाणु परीक्षण की 26वीं वर्षगांठ मनाई

प्रधानमंत्री शहबाज ने दिया खास संदेश

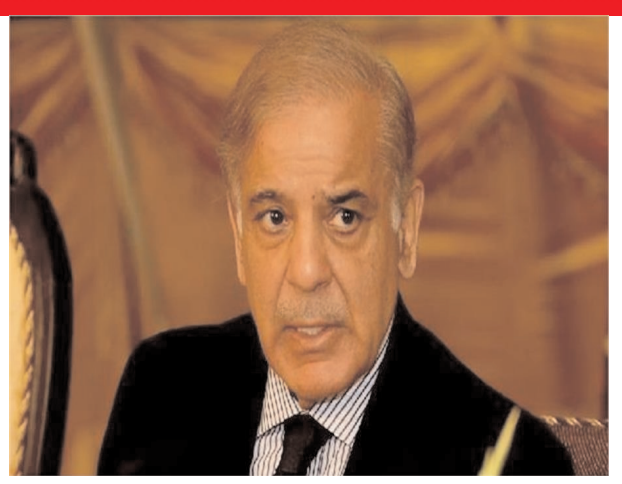

इस्लामाबाद- पाकिस्तान के पहले सफल परमाणु परीक्षण की 26वीं वर्षगांठ मनाते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार कोअपने खास संदेश में कहा कि यह ''विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध स्थापित करने की दिशा में देश के कठिन लेकिन उल्लेखनीय मार्ग को दर्शाता है। पाकिस्तान ने भारतीय सेना के पोखरण परमाणु परीक्षण के जवाब में बलूचिस्तान प्रांत के दूरस्थ चागई पर्वत में एक गहरी सुरंग खोदकर 28 मई 1998 को छह परमाणु परीक्षण किए थे। पाकिस्तान उसके रक्षा भंडार में परमाणु हथियार रखने वाला 1998 में दुनिया का सातवां परमाणु संपन्न देश और पहला मुस्लिम देश बन गया था।

पाकिस्तान के इस सफल परमाणु परीक्षण को ''यौम-ए-तकबीर कहा जाता है जिसका अर्थ ''महानता का दिवस या ''ईश्वर की महानता का दिवस है। इसे हर साल राष्ट्रीय उत्साह के साथ मनाया जाता है। शरीफ ने हाल फिलहाल में पहली बार मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर अपने संदेश में देश को बधाई देते हुए शरीफ ने कहा कि यह दिन राष्ट्रीय शक्ति के सभी पहलुओं के सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ''28 मई महज एक दिवस के स्मरणोत्सव से कहीं अधिक का प्रतीक है और यह एक विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध स्थापित करने की दिशा में हमारे देश के कठिन लेकिन उल्लेखनीय मार्ग को दर्शाता है।

1998 में इस ऐतिहासिक दिन पर प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनाने के लिए अत्यंत दबाव और प्रलोभनों को अस्वीकार कर साहसिक नेतृत्व दिखाया था। शरीफ के बयान में परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कादिर खान के नाम का जिक्र नहीं है जिन्होंने लगभग दो दशकों तक एहतियातन हिरासत में रहने के बाद इस कार्यक्रम में अहम भूमिका निभायी थी।

इजराइल का राफा पर नया *IDF* हमला, 20 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क: दक्षिणी गाजा के राफा शहर में इजराइल के नए ड्रोन हमले में 20 लोगों के मारे जाने की सूचना है। गाजा से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार अल-मवासी, राफा पर इजरायली हमले के बाद 20 लोग मारे गए। फ़िलिस्तीनी मीडिया का दावा है कि हमले में एक सुरक्षित क्षेत्र को निशाना बनाया गया, स्थानीय सूत्रों ने हताहतों की पुष्टि की। इजराइली तोपखाने की गोलाबारी के कारण ताल अल-सुल्तान पुलिस स्टेशन के पास एक गैस स्टेशन के पास भीषण आग लग गई। मवासी राफा में अमेरिकी फील्ड अस्पताल के पास भी मौतों और चोटों की सूचना मिली है। इससे एक दिन पहले रविवार को विस्थापित फिलिस्तीनियों के कैंप पर इजरायली हमले में करीब 45 लोगों की मौत हो गई थी जिसे इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक दुखद गलती माना है।

इजरायल को हमास के साथ युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झलनी पड़ रही है। यहां तक कि उसके सबसे करीबियों, जैसे अमेरिका ने भी नागरिकों की मौत पर नाराजगी जताई है। इजरायल का कहना है कि वह अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन कर रहा है जबकि दुनिया की शीर्ष अदालतों में भी उसके खिलाफ आवाजें उठ रही हैंष पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इजरायल से राफा में अपने हमले रोकने के लिए कहा था। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री जोसेफ बोरेल ने राफा पर इजरायल के रात भर के हमले की निंदा की, उन्होंने इजरायल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह हेग में अदालत के फैसले को लागू किया जाना चाहिए।

जेलेंस्की का बाइडेन से आग्रह- कम ऑन यार..तुम्हें मेरी पीस पार्टी में आना ही होगा

इंटरनेशनल डेस्क: रूस के जंग के चलते यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से स्विट्जरलैंड में जून में होने वाले शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया है। जेलेंस्की ने खासकर राष्ट्रपति बाइडेन पर यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए जोर डाला है। जेलेंस्की ने बाइडेन से कहा कि उनकी अनुपस्थिति पुतिन के लिए एक जीत होगी। जेलेंस्की ने आगे कहा कि शांति शिखर सम्मेलन और अन्य नेताओं को राष्ट्रपति बाइडेन की आवश्यकता है क्योंकि वे अमेरिका की प्रतिक्रिया को देखेंगे। उनकी अनुपस्थिति की पूर्ति पुतिन द्वारा की जाने वाली तालियों से ही की जाएगी, पुतिन द्वारा व्यक्तिगत रूप से खड़े होकर की जाने वाली तालियों से।

स्विट्जरलैंड में शिखर सम्मेलन नजदीक होने के कारण बाइडेन की उपस्थिति अभी भी अपुष्ट है। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य रूस के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को मजबूत करना है। यूक्रेन को रूस से तीव्र सैन्य दबाव का सामना करना पड़ रहा है ऐसे में राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने खार्किव में हाल ही में रूसी हवाई हमले के स्थल से एक संबोधन के दौरान सार्वजनिक अपील में बाइडेन और शी जिनपिंग से इस समिट में शामिल होने का आह्वान किया। अपने संदेश में, उन्होंने वैश्विक नेताओं द्वारा संघर्ष से अस्थायी राहत पाने के बजाय वास्तविक शांति प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के महत्व पर जोर दिया।

शिखर सम्मेलन के लिए यूक्रेन के दबाव के बावजूद, रूस ने अपने उद्देश्य के बारे में संदेह व्यक्त किया है, खासकर यह देखते हुए कि मास्को को भाग लेने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। रूसी सूत्रों ने संकेत दिया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन युद्धविराम के लिए तैयार हैं, लेकिन अपनी शर्तों के साथ । ज़मीन पर स्थिति अनिश्चित बनी हुई है क्योंकि रूसी सेना पूर्वी मोर्चे पर लगातार बढ़ती प्रगति कर रही है। पुतिन के इस विचार के विपरीत कि वार्ता रूस को अल्टीमेटम स्वीकार करने के लिए मजबूर कर सकती है, ज़ेलेंस्की ने शांति वार्ता में अधिक से अधिक देशों को शामिल करने के महत्व पर बल दिया है।

अग्निवीर की नौकरी छोड़ चुका युवक लगा रहा था आवाज, राहुल ने मंच पर बुलाकर लगाया गले

नेशनल डेस्क- बिहार की आरा लोकसभा सीट पर चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा में जब राहुल गांधी अग्निवीर योजना को लेकर बोल रहे थे, तो एक युवक की आवाज सुनकर राहुल गांधी ने उसे मंच पर ही बुला लिया। दरअसल यह युवक भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के भादरा गांव का विकास कुमार था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह युवक अग्निवीर की नौकरी कर वापस लौट चुका है। उसके घर वाले अब उसे सेवा में नहीं जाने देना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भीड़ में खड़े युवक ने राहुल गांधी को आवाज लगाई थी। इस पर जब राहुल गांधी ने देखा तो युवक अपने हाथों में एक कागज लिए खड़ा था। राहुल गांधी ने बिना देर किए उस युवक को मंच पर बुलाया। उन्होंने इशारा किया तो सुरक्षा कर्मियों ने भी रास्ता दे दिया और युवक मंच पर पहुंच गया। युवक ने पहुंचते ही राहुल गांधी को पैर छूकर प्रणाम किया और राहुल गांधी ने उसको गले से लगाया। इधर भीड़ में हर कोई आश्चर्यचकित रह गया और उस युवक की चर्चा होने लगी। उसी युवक को मंच पर रोक कर राहुल गांधी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो वह सबसे पहले अग्निवीर योजना को फाड़ के कूड़ेदान में फेंकने का काम करेंगे। राहुल गांधी को सुनने के लिए चुनावी सभा में काफी संख्या में युवा भी पहुंचे थे। वहीं राहुल गांधी से मुलाकात के बाद युवक विकास कुमार काफी खुश नजर आ रहा था. बातचीत के क्रम में उसने कहा कि आज वह बहुत ही खुश है क्योंकि राहुल गांधी ने उसको मंच पर बुलाया। अग्नि वीर योजना को खत्म करने की बात कही है। उसने कहा कि वह घर से जब निकला था, तभी यह सोच लिया था कि वह राहुल गांधी से मिलेगा लेकिन उसे उम्मीद नहीं थी कि भीड़ में से उसे मंच पर बुलाया जाएगा।

ज्यादा शराब पीने की लत छुड़ा सकती जादुई मशरूम, जानें कैसे करती है कमाल

लंदन: एक नए शोध के अनुसार मैजिक मशरूम शराब की बुरी लत छुड़वा सकती है। एक रिसर्स में शोधकर्ताओं ने पाया कि जादुई मशरूम में पाए जाने वाले हेलुसीनोजेनिक रसायन, साइलोसाइबिन का उपयोग सेरोटोनिन रिसेप्टर्स को अवरुद्ध करने के लिए किया जा सकता है। ये शराब पीने के आवेग को नियंत्रित करते हैं, जिससे वैज्ञानिक शराब को रासायनिक रूप से हल करने के करीब एक कदम आगे बढ़ गए हैं। प्रोफेसर मिकेल नासिला के अनुसार अगली चुनौती यह पता लगाने की होगी कि रसायन को कैसे अनुकूलित किया जाए ताकि यह मतिभ्रम पैदा किए बिना रिसेप्टर्स को अवरुद्ध कर दे। उन्होंने कहा कि ये परिणाम बहुत मौलिक हैं क्योंकि वे दर्शाते हैं कि साइलोसाइबिन मस्तिष्क के आधार पर जीन अभिव्यक्ति पर अलग-अलग कार्य करता है। नए शोध में पाया गया कि मैजिक मशरूम जिसे साइकेडेलिक मशरूम भी कहा जाता है, खाने से शराब की लत को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। अध्ययन में पाया गया कि साइकेडेलिक मशरूम में एक यौगिक ने भारी शराब पीने वालों को शराब की लत कम करने या साइलोसाइबिन के सबसे कठोर परीक्षण में पूरी तरह से छोड़ने में मदद की। मशरूम की कई प्रजातियों में पाया जाने वाला साइलोसाइबिन, घंटों तक मतिभ्रम का कारण बन सकता है। स्वदेशी लोगों ने उपचार अनुष्ठानों में इसका उपयोग किया है और वैज्ञानिक यह पता लगा रहे हैं कि क्या यह अवसाद को कम कर सकता है या लंबे समय से धूम्रपान करने वालों को छोड़ने में मदद कर सकता है। अमेरिका में यह अवैध है, हालाँकि ओरेगॉन और कई शहरों ने इसे अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया है। इससे पहले जेएएमए मनोचिकित्सा में प्रकाशित एक अन्य शोध रिपोर्ट के अनुसार एक अन्य अध्ययन में, 93 रोगियों को शामिल किया गया जिन्होंने साइलोसाइबिन या एक डमी दवा युक्त कैप्सूल लिया । वे एक सोफे पर लेट गए व अपनी आँखें ढँक लीं और हेडफ़ोन के माध्यम से रिकॉर्ड संगीत सुनने लगे। उन्हें एक महीने के अंतराल पर ऐसे दो सत्र और टॉक थेरेपी के 12 सत्र मिले। अपने पहले खुराक सत्र के बाद आठ महीनों के दौरान, साइलोसाइबिन लेने वाले रोगियों ने दूसरे समूह की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया, डमी गोली समूह के लिए औसतन 10 दिनों में से 1 दिन की तुलना में लगभग 4 दिनों में लगभग 1 दिन भारी मात्रा में शराब पी। साइलोसाइबिन लेने वाले लगभग आधे लोगों ने नियंत्रण समूह के 24व की तुलना में पूरी तरह से शराब पीना बंद कर दिया।अल्कोहल सेवन विकार के इलाज के लिए केवल तीन पारंपरिक दवाएं - डिसुलफिरम, नाल्ट्रेक्सोन और एकैम्प्रोसेट स्वीकृत हैं और लगभग 20 वर्षों में किसी नई दवा को मंजूरी नहीं मिली है। हालांकि यह ठीक से ज्ञात नहीं है कि साइलोसाइबिन मस्तिष्क में कैसे काम करता है, शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कनेक्शन बढ़ाता है और, कम से कम अस्थायी रूप से, मस्तिष्क के खुद को व्यवस्थित करने के तरीके को बदल देता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569